दैनिक
घटती घटना
RNI REG. NO.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No-13/Sarguja DN/2023-2025
जो कहीं और नहीं...वो यहाँ है...!

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 345-सोमवार 20- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 08,मूल्य 02 रूपये , www.ghatatighatana.com, Email: ghatatighatana11@gmail.com

शुभ दीपावली

दैनिक अखबार घटती-घटना के सुधि पाठकों,विज्ञापनदाताओं,समस्त शुभचिंतको एवं जिले व प्रदेश तथा देशवासियों को दीपों का त्यौहार दीपावली की घटती-घटना परिवार की ओर से अशेष शुभकामनायें एवं हार्दिक बधाई...

शुभ मंगल कामनाओं के साथ ....

संपादक

अवकाश सूचना

दीपावली के अवसर पर दैनिक घटती-घटना कार्यालय में 20 व 21 अक्टूबर 2025 दिन सोमवार-मंगलवार को अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक दिन गुरूवार,23 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

अयोध्या में भव्य दीपोत्सवः अयोध्या में 26 लाख 17 हजार दीपक जलाने का रिकॉर्ड

अयोध्या,19 अक्टूबर 2025। अयोध्या में 9वां दीपोत्सव मनाया गया। सीएम योगी ने राम मंदिर में दीप जलाए। इसके बाद दीपोत्सव की शुरुआत की। इसी के साथ राम की पैड़ी पर दीपक जलाए गए। इस दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अयोध्या के नाम 2 रिकॉर्ड बने। 26 लाख 17 हजार 215 दीपक एक साथ जलाए गए। ड्रोन से दीपों की काउंटिंग हुई, जबकि राम की पैड़ी पर लेजर लाइट शो किया गया। 1100 ड्रोन से विशेष शो किया गया।

रामभक्तों के लहू से लथपथ की गई नगरी,आज दीपों के सागर में नहा रही हैःसीएम योगी

अयोध्या,19 अक्टूबर 2025 मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या रविवार की शाम भक्ति और आलोक से जगमगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू तट पर मां सरयू की आरती कर दीपोत्सव-2025 का शुभारंभ किया। लाखों दीपों से आलोकित अयोध्या में मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभक्तों के लहू से लथपथ की गई यह नगरी आज दीपों के सागर में नहा रही है और यही नया भारत है, जो अपनी आस्था, अस्मिता और विकास तीनों में आत्मविश्वास से जगमगा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू घाट पर मां सरयू की विधिवत पूजन के बाद की आरती की, जहां उनके साथ कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके बाद राम कथा पार्क पहुंचकर उन्होंने जनता को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि दीपोत्सव का यह नवां संस्करण उत्तर प्रदेश की नई पहचान है। उन्होंने उपस्थित रामभक्तों से स्मार्टफोन की लाइट जलाकर जय श्री राम का उद्घोष करने को कहा, जिससे पूरा पार्क ज्योति से जगमगा उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने अयोध्या को अपमान से मुक्ति दिलाई है। पहले जो लोग आस्था का मजाक उड़ाते थे, राम भक्तों और कारसेवकों से पटी अयोध्या की गलियों को लहूलुहान करते थे, आज उन्हें 26 लाख 17 हजार से अधिक दीपों की यह रोशनी चुभ रही है। ये दीप स्थानीय प्रजापति और कुम्हार समुदाय के परिश्रम से बने हैं, जो रोजगार का स्रोत भी हैं। लेकिन रामद्रोही इसे पचा नहीं पा रहे।

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और आठ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए पर्यवेक्षक तैनात किए...

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव और आठ विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनावों से पहले चुनाव आयोग ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। आयोग ने बताया कि पर्यवेक्षक चुनावी प्रक्रिया पर नजदीकी नजर रख रहे हैं, ताकि सभी दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित हो सके। आयोग के अनुसार पहले चरण के लिए 121 सामान्य पर्यवेक्षक और 18 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं, जबकि दूसरे चरण के लिए 122 सामान्य और 20 पुलिस पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा आठ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनावों के लिए 8 सामान्य और 8 पुलिस पर्यवेक्षक भी भेजे गए हैं। सभी पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का पहला दौरा पूरा कर लिया है और अब वे वहीं पर तैनात हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें निर्देश दिया है कि वे चुनाव प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी करें और पारदर्शी, स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करें। साथ ही, पर्यवेक्षकों को राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और मतदाताओं के लिए सुलभ रहने और उनकी शिकायतों के त्वरित निपटारे के निर्देश भी दिए गए हैं।

दीपावली पर केदारनाथ में नहीं होगी आतिशबाजी पुलिस ने किया जागरूक

रुद्रप्रयाग,19 अक्टूबर 2025। पंच केदार में प्रमुख श्रीकेदारनाथ धाम में दीपावली पर आतिशबाजी नहीं होगी। पुलिस ने धाम में पटाखे नहीं फोड़ने और सुरक्षा के लिए धाम में जागरूकता और चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल ने बताया कि हिमालय की तलहटी पर विराजमान केदारनाथ को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए दीपावली पर किसी भी प्रकार की आतिशबाजी नहीं की जाएगी। बताया कि विगत वर्षों की इस बार भी केदारनाथ धाम क्षेत्र में दीपावली पर्व पर आतिशबाजी नहीं की जाएगी।

दुनिया के अन्य देशों से सीधे लखनऊ का होगा एयर कनेक्शनः राजनाथ सिंह

लखनऊ,19 अक्टूबर 2025। रक्षामंत्री और क्षेत्रीय सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई और पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने जानकीपुरम सेक्टर एफ में सामुदायिक केन्द्र और सेक्टर 6 में पुस्तकालय का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर लखनऊ के सांसद व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सांसद रहें न रहें। लखनऊ के विकास के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता कायम रहेगी। जहां तक मुझसे हो सका है मैंने करने की कोशिश की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों से लखनऊ का एयर कनेक्शन बन जाना चाहिए। इसके लिए प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड करिश्माई काम कर रहा है। लोगों को शादी ब्याह करने के लिए स्थान नहीं मिलता था। लखनऊ के हर विधानसभा क्षेत्र में एक बड़ा सामुदायिक केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इसके रख-रखाव के लिए थोड़ा बहुत पैसा ही लगेगा। रक्षामंत्री ने कहा कि एक भी पार्क नहीं बचना चाहिए, जहां ओपेन जिम की व्यवस्था न हो। लखनऊ के 301 पार्कों में ओपेन जिम शुरू हो गया और 250 स्थानों पर ओपेन जिम की शुरूआत आज से हो रही है। लखनऊ में 1250 सोलर लाइट लगी हैं। 25 फलाईओवर स्वीकृत है। उसमें 14 बन गये हैं। इसके अलावा 11 फलाईओवर और स्वीकृत हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ विकास के पथ पर तेजी से बढ़ चला है। विश्व के 10 शहरों में हमारा लखनऊ भी आ गया है। मैं चाहता हूं कि यह लखनऊ नंबर एक पर आ जाय। हमारा शहर विश्वस्तरीय लखनऊ बनना चाहिए। अभी कुछ दिन पहले भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में लखनऊ को भारत के टॉप थ्री शहरों में चुना गया। उत्तर प्रदेश में नंबर वन, भारत में नंबर थ्री। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि लखनऊ स्वच्छता के मामले में नंबर वन बने। मेरी दृष्टि में लखनऊ को एक ऐसा विश्व स्तरीय शहर बनाना है जहां परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समागम हो कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद बृजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, महानगर अध्यक्ष भाजपा, आनंद द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ला, राम औतार कनौजिया, सौरभ वाल्मीकि एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पार्षद राजकुमारी मौर्य के आवास पहुंचकर उनकी माताजी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिरडी साईं बाबा संस्थान में 76 लाख का घोटाला...47 पर एफआईआर दर्ज...

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। देशभर के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के सबसे बड़े केंद्र शिरडी के श्री साई बाबा संस्थान ट्रस्ट में एक बड़ा आर्थिक घोटाला सामने आया है। संस्थान में लेखा परीक्षण (ऑडिट) के दौरान 76 लाख के विद्युत सामान के गबन का खुलासा हुआ है। इस मामले में शिरडी पुलिस ने संस्थान के 47 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का मामला दर्ज किया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने FIR दर्ज की है। जांच में खुलासा हुआ कि यह पूरा मामला 1 साल पहले हुए ऑडिट में सामने आया था, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया था। प्रशासन की लापरवाही को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता संजय बाबुताई काले ने न्याय के लिए औरंगाबाद हाई कोर्ट की खंडपीठ में क्रिमिनल रिट याचिका दायर की। न्यायालय ने मामले की गंभीरता से लेते हुए 15 अक्टूबर को शिरडी पुलिस को सभी 47 आरोपियों पर तत्काल FIR दर्ज करने का आदेश दिया। कोर्ट के इस सख्त रुख के बाद ही शिर्डी पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई को अंजाम दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर ये पूरी साजिश रची है, उन्होंने अपने अधीनस्थ विद्युत सामग्री का सही पंजीकरण नहीं किया।

केंद्र सरकार ने गुजरात, तमिलनाडु,राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की संख्या बढ़ाई...

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। केंद्र सरकार ने चार राज्यों में नोटरी पब्लिक की संख्या बढ़ा दी है। विधि और न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग ने नोटरीज(संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। यह अधिसूचना 17 अक्तूबर को जी.एस.आर. 763(ई)के रूप में जारी की गई। नए नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू हो गए हैं। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की अधिकतम संख्या बढ़ाने का फैसला लिया है। गुजरात में 2900 से बढ़ाकर 6000 तमिलनाडु में 2500 से बढ़ाकर 3500 राजस्थान में 2000 से बढ़ाकर 3000 और नागालैंड में 200 से बढ़ाकर 400 नोटरी की संख्या की गई है। यह बदलाव नोटरीज अधिनियम, 1952 की धारा 15 के तहत किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि राज्य सरकारों से मिले अनुरोधों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। राज्यों में जनसंख्या और प्रशासनिक इकाइयों की संख्या बढ़ने के साथ नोटरी सेवाओं की मांग में भी तेजी आई है।

अरुणाचल में अपहृत दो श्रमिकों को उग्रवादियों से असम राइफल्स ने छुड़ाया

इटानगर,19 अक्टूबर 2025। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में 'नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड- खापलांग' (एनएससीएन-के) ग्रुप के हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा अपहृत किए गए दो श्रमिकों को असम राइफल्स की खोंसा बटालियन ने करीब 12 घंटे के अंदर बिना किसी नुकसान के बचा लिया है। रविवार को प्रदेश पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के मुताबिक, तिरप जिले के दादम सर्कल के लाहू गांव में एक रोड कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में लगे मेसर्स अग्रवाला कंस्ट्रक्शन कंपनी के दो श्रमिकों को एनएससीएन के करीब सात से आठ हथियारबंद उग्रवादियों के एक ग्रुप ने अपहरण कर लिया। बीती रात (शनिवार) भरोसेमंद इंटेलिजेंस जानकारी के आधार पर, असम राइफल्स की खोंसा बटालियन ने लोंगडिंग पुलिस के साथ मिलकर बड़ी सतर्कता के साथ एक संयुक्त बचाव अभियान चलाया।

संपादकीय

क्षमता निर्माण : भारत में डेटा केंद्रों से एआई सामर्थ्य में होगा सुधार

अल्फाबेट का विशाखापत्तनम में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का बड़ा केंद्र बनाने का निर्णय भारत के तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर उद्योग को पूरी तरह बदल देने वाला हो सकता है। गूगल की मूल कंपनी द्वारा इस परियोजना में अगले 5 साल के दौरान 15 अरब डॉलर का निवेश करने की बात कही गई है। यह निवेश ऐसे समय में आ रहा है जब अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कारण भारत और अमेरिका के बीच हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। गूगल की यह अमेरिका के बाहर अब तक की सबसे बड़ी परियोजना होगी। गूगल 12 देशों में डेटा सेंटर स्थापित कर चुकी है। यह निवेश भूराजनीतिक तनावों और संभावित कानूनी जटिलताओं के बावजूद किया जा रहा है। इसका मतलब यह है कि अल्फाबेट का प्रबंधन यह मानता है कि इसके संभावित लाभ, जोखिम से कहीं अधिक हैं। कानूनी मसलों के बावजूद अल्फाबेट भारत को एक प्रमुख बाजार मानता है। भारत ऐंड्रॉयड फोन का एक बड़ा बाजार है और इसके साथ ही दुनिया में सबसे अधिक यूट्यूब उपयोगकर्ता भी भारत में ही हैं। प्रस्तावित केंद्र से 1,88,000 नौकरियां तैयार हो सकती हैं। अदाणी समूह और भारती एयरटेल गूगल के साथ साझेदारी करके अधोसंरचना विकास करेंगे। इसमें एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे (जहां ऑप्टिकल केबल समुद्र से बाहर आती हैं) स्थापित करने की बात शामिल है। इस परियोजना में क्लाउड और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस यानी एआई अधोसंरचना शामिल होंगी जो नवीकरणीय ऊर्जा व्यवस्था से संचालित होंगी और फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से जुड़ी होंगी। यह आंध्र प्रदेश सरकार की 2029 तक 6 गीगावॉट डेटा सेंटर क्षमता हासिल करने की योजना का हिस्सा है। ये सेंटर भौतिक सुविधाएं हैं जहां ऐसे कंप्यूटिंग और नेटवर्किंग उपकरण रहते हैं जिनका इस्तेमाल डेटा संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण के लिए किया जा सकता है। अचल संपत्ति के अलावा इस व्यवस्था के संचालन और चीजों को ठंडा रखने के लिए बहुत अधिक बिजली की आवश्यकता होगी। यही वजह है कि डेटा सेंटर की क्षमताओं को गीगावॉट में आंका जाता है जो बिजली मापने की इकाई है, बजाय कि गीगाबाइट के। इतना ही नहीं बिजली की 24 घंटे उपलब्धता आवश्यक है वह भी वोल्टेज में उतार चढ़ाव के बिना। यह इंजीनियरिंग की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जमीन और बिजली सब्सिडी देने की घोषणा की है। वह डेटा सेंटर उद्योग को बढ़ावा देने वाले नीतिगत बदलावों का लाभ उठाने वाले शुरुआती राज्यों में शामिल है। वर्ष2027-28 तक इरादे के मुताबिक एक लाख करोड़ डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए भौतिक अधोसंरचना तैयार करने के लिए डिजिटल अधोसंरचना कायम करना जरूरी है। भारत के पास अन्य लाभ भी हैं। डेटा सस्ता है और भारत दुनिया का सबसे बड़ा डेटा ग्राहक भी है। हमारे यहां बहुत बड़ी डिजिटल आबादी है जिसकी संख्या बढ़ती ही जा रही है। परंतु भौतिक क्षमता और इकोसिस्टम के साथ विधायी और नियामकीय नीतिगत बदलाव भी अहम हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियों को भारत में अपना डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए आकर्षित करने में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को यह विश्वास होना चाहिए कि उनका डेटा भारत में मौजूद सर्वर में पूरी तरह सुरक्षित है। भारत की नीति डेटा स्थानीयकरण पर जोर देती है और वह डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ऐक्ट तथा संबंधित नियमों के जरिये सुरक्षित है। गूगल की प्रतिबद्धता और इसके पहले माइक्रोसॉफ्ट एवं एमेजॉन जैसी कंपनियों की भागीदारी इस नीति की पुष्टि करती है। मुंबई, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, बेंगलूरु और कोलकाता जैसे शहरों में डेटा सेंटर की क्षमताएं विकसित हो रही हैं क्योंकि कई राज्य निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत की डेटा सेंटर क्षमता 2024 में 1 गीगावॉट पार कर गई जो 2019 की तुलना में 200 फीसदी अधिक है। रोजगार के अलावा इस बड़ी परियोजना का भारत में मौजूद होना देश के अपने आर्टिफिशल मिशन को गति देने में मददगार होगा।

प्रकाश अंधकार : बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण भारत में धूप का समय घट रहा है

विजय गर्ग

भारत सूर्य की कमी के युग में प्रवेश कर रहा है। एक ऐसे देश के लिए जिसने अपनी जलवायु रणनीति सौर ऊर्जा पर दांव लगाया है, सौर घटना में कमी सीधे कम बिजली उत्पादन का परिणाम होती है सूर्य की रोशनी एक अथाह संसाधन लग सकती है। लेकिन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान और भारत के मौसम विभाग द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि पिछले तीन दशकों में घने बादलों और बढ़ते एरोसोल प्रदूषण के कारण पूरे भारत में धूप का समय कम हो रहा है। पश्चिमी तट में धूप के घंटे प्रति वर्ष 8.6 घंटों तक गिरते हुए देखा गया, जबकि उत्तरी मैदानों में सालाना 13.1 घंटों पर सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई। पूर्वी तट और डेकन पठार में भी प्रति वर्ष क्रमशः 4.9 और 3.1 घंटे की गिरावट देखी गई। इसका मतलब यह है कि भारत, विश्व का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार और एक मुख्य रूप से कृषि समाज, संभवतः सौर कमी के युग में प्रवेश कर रहा है। एक ऐसे देश के लिए जिसने अपनी जलवायु रणनीति सौर ऊर्जा पर दांव लगाया है, सौर घटना में कमी सीधे कम बिजली उत्पादन का परिणाम होती है। दिल्ली के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 2001 से 2018 तक वायु प्रदूषण ने भारत की सौर ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दशकों अरबों डॉलर के अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता होगी। फिर कृषि पर इसका प्रभाव है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जहां अंधेरा बहुत अधिक है, किसान पत्तियों पर धीमी फसल वृद्धि और लंबी आर्द्रता की रिपोर्ट करते हैं - फंगल बीमारी और परिणामस्वरूप फसल हानि का एक नुस्खा।

मानव मन और शरीर भी खतरे में हैं। सूर्योदय में कमी से हार्मोन का स्तर बदल जाता है, सतर्कता कम हो जाती है और नींद के चक्र टूट जाते हैं। भारत का एकल समय क्षेत्र प्रभाव को जोड़ता है। मनोवैज्ञानिक थकान, चिंता और मौसमी अवसाद की उच्च दरों पर ध्यान देते हैं जब सूर्य का प्रकाश कुछ सीमाओं से नीचे गिर जाता है। भारतीय शहरों में विटामिन डी की कमी - पहले से ही व्यापक है - सूर्य के प्रकाश की हानि के साथ बढ़ जाती है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के लिए परिणाम भी चिंताजनक हैं। मंदी से लड़ने के लिए भारत को सबसे पहले अपने कारण से निपटना होगाः गंदा हवा। इसका मतलब है कि एरोसोल प्रदूषण को केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं बल्कि आर्थिक खतरे के रूप में व्यवहार करना। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का उद्देश्य कण प्रदूषण को 20-30% कम करना है। इससे प्रति वर्ष 6 से 16 टेरावाट अतिरिक्त सौर ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है, जिसका मूल्य सैकड़ों मिलियन डॉलर होगा। चीन ने पर्यावरण मानकों को सख्ती से लागू करके दशकों की धूप के अंधेरे से उबल होने का हालिया चरण पार कर लिया है। निकट आने वाली अंधेरे के विरुद्ध भारत भी इस युद्ध को जीत सकता है।

खुशियों की दीपावली : मन की अंधियारी दूर करने का समय

डॉ प्रियंका सौरभ

दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि मन के अंधकार को मिटाने और आत्मा में उजाला भरने का अवसर है। आज यह जरूरी है कि हम इसे दिखावे या प्रदूषण का उत्सव न बनाएं, बल्कि सादगी, करुणा और प्रेम का पर्व बनाएं। जब हम दूसरों के जीवन में रोशनी बाँटते हैं, तभी सच्चा सुख और सुकून प्राप्त होता है। दीपावली का असली अर्थ है – हर मन में शांति, हर घर में प्रेम और हर समाज में समरसता का प्रकाश। दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहरकर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है? आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार – ईर्ष्या,अहंकार,असंतोष और असहनशीलता – को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाज़ार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है। दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए – पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद – यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज़ भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक इवेंट बना दिया है।

फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है। आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं – और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है। दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है – वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं – उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो। हमारे शास्त्र कहते हैं – तमसो मा ज्योतिर्गमय – यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है। त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है।

आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को समावेशिता का पर्व बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें,

जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता – ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके – किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे – तो वही दीपावली सबसे उवल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे। दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं।

लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा। हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है। इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि थोड़े में भी बहुत कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली है। आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प ले – कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा।

कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा। कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है। दीपावली का अर्थ केवल दीप नहीं, आवली अर्थात् श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है – एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा।

दीपावलीः हिन्दू सिख एक साथ क्यों मानते है

संजय गोस्वामी

सिखों व हिंदू की दिवाली एक साथ मनाई जाती है लेकिन यह बंदी छोड़ दिवस कहलाती है और इसे हिंदू दिवाली के साथ या एक ही दिन मनाया जाता है।छठे सिख , गुरु हरगोबिंद साहिब से जुड़ा है, जिन्होंने 52 हिंदू राजाओं को मुगल सम्राट जहाँगीर द्वारा ग्वालियर किले से रिहा कराया था यह दिन गुरु हरगोबिंद साहिब की 1619 में मुगल शासक जँहागिर के शासन में ग्वालियर की कैद से रिहाई की याद में मनाया जाता है, और इसे दिवाली 2025 के दौरान 21 अक्टूबर को ही मनाया जायेगा । यह घटना 1619 में हुई थी, जब गुरु हरगोबिंद को 52 राजाओं के साथ बंदी बनाया गया था। गुरु ने अपनी बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए एक विशेष लबादा बनवाया, जिसकी 52 लटकनों को पकड़कर सभी राजा बाहर निकले और यह दिन मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। अवसरः बंदी छोड़ दिवस, जिसका अर्थ है मुक्ति दिवस, गुरु हरगोबिंद साहिब जी की रिहाई का जश्न मनाता है। परंपरा के अनुसार, गुरु ने 52 हिंदू राजाओं को भी छुड़ाया था जो उनके साथ कैद थे। प्रथाएंः इस दिन सिख घरों और गुरुद्वारों को रोशन करते हैं। वे गुरुद्वारे जाते हैं, गुरुबानी और कीर्तन सुनते हैं, और परिवार और दोस्तों के साथ उपहारों और दावतों का आदान-प्रदान करते हैं। महत्वः यह दिन सिख धर्म में एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है और इसे हिंदुओं के साथ दिवाली के रूप में भी मनाया जाता है। अमृतसर और दिवालीः जब गुरु हरगोबिंद अमृतसर पहुँचे, तो संयोग से उसी दिन दिवाली थी। लोगों ने गुरु का स्वागत शहर को रोशन करके किया, जो दिवाली की खुशी में एक अतिरिक्त आनंद जुड़ गया। सिख पवित्र गुरुद्वारा शेर शिकार, (बाघ शिकार गुरुद्वारा), भारत के राजस्थान के धौलपुर में मचकुंड में स्थित है। यह गुरुद्वारा छठे गुरु, श्री गुरु हरगोबिंद की यात्रा और पौराणिक शिकार में उनकी भूमिका से जुड़ा है। (कुछ लोग इस कहानी को बाघ के रूप में और कुछ लोग शेर के रूप में सुनाते हैं)। जैसे ही शेर का शिकार दल जंगल में आगे बढ़ा, तनाव तब बढ़ गया जब शेर ने अप्रत्याशित रूप से सम्राट जहाँगीर पर झपट्टा मारा। सम्राट और उनके सैनिकों ने घबराहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपनी रक्षा के लिए गोलियाँ और तीर चलाए। हालाँकि, उनके प्रयास व्यर्थ साबित हुए क्योंकि शेर अपने आसपास के शोरगुल से विचलित हुए बिना आगे बढ़ता रहा। संकट के इस महत्वपूर्ण क्षण में, गुरु हरगोबिंद की वीरता प्रकट हुई। अद्भुत साहस का परिचय देते हुए, उन्होंने तेजी से अपने घोड़े से उतरकर खुद को शेर और सम्राट जहाँगीर के बीच खड़ा कर लिया। गुरु हरगोबिंद का निस्वार्थ रक्षा कार्य न केवल शेर के विरुद्ध एक भौतिक अवरोध था, बल्कि उनके नैतिक विश्वास का एक शक्तिशाली प्रमाण भी था। अडिग संकल्प के साथ, उन्होंने शेर को संबोधित करते हुए कहाः ऐ काले यमन पहलन तून वार कर लाए बच्चे तेरे मन दी इच्छा बाकी न रह जाए। इसका अर्थ है, हे काल यमन, पहले मुझ पर आक्रमण कर, ताकि तेरे मन में आक्रमण करने की कोई इच्छा न रहे। यह क्षण सिख इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो गुरु हरगोबिंद की निडरता और दूसरों की रक्षा के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, यहाँ तक कि अपनी जान जोखिम में डालकर भी। उनके कार्य बलिदान, वीरता और नेतृत्व के उन सिद्धांतों का उदाहरण हैं जो सिख शिक्षाओं के मूल हैं। यह घटना न केवल गुरु के शारीरिक पराक्रम को दर्शाती है, बल्कि एक रक्षक और योद्धा के रूप में उनकी विरासत को भी पुख्ता करती है, जिसने उनके समय की घटनाओं को प्रभावित किया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। शेर का आक्रमण-गुरु हरगोबिंद पर शेर का आक्रमण एक नाटकीय और निर्णायक क्षण है जो उनकी वीरता और आध्यात्मिक प्रभुत्व, दोनों को दर्शाता है। जब शेर गुरु पर भयंकर रूप से झपटा, तो ख़तरे से भरा एक गहन दृश्य उत्पन्न हो गया। गुरु हरगोबिंद ने त्वरित और फुर्तीली प्रतिक्रिया में, अपने बाएँ हाथ से ढाल उठाई और दाएँ हाथ से तलवार चलाई। अद्भुत कौशल के साथ, उन्होंने एक ही, सहज गति से शेर पर वार किया। यह क्रिया केवल युद्ध कौशल का प्रदर्शन नहीं है, यह गुरु की आध्यात्मिक शक्ति और नैतिक साहस का प्रतीक है, जो सिख दर्शन के मूल में निहित सुरक्षा और निस्वार्थता के मूल्यों का प्रतीक है। जब शेर को नीचे गिराया गया तो सम्राट जहाँगीर और उसके सैनिकों की प्रतिक्रिया उल्लेखनीय है। जहाँ सैनिक डर के मारे पीछे हट गए, वहीं गुरु अपनी जगह पर डटे रहे, जिससे आसन्न ख़तरे के बावजूद दूसरों की निडर रक्षा का उनका उदाहरण सामने आया। इस क्षण ने न केवल गुरु हरगोबिंद की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया, बल्कि मचकुंड को सिख भक्तों के एक संप्रदाय, उदासी के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल में बदल दिया। इस घटना के बाद, उदासी ने मचकुंड में आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न होना शुरू कर दिया, जिससे यह कुछ समय के लिए धार्मिक और सामुदायिक समारोहों का केंद्र बन गया। इस घटना के बाद, सम्राट जहाँगीर ने गुरु हरगोबिंद के महत्व को पहचाना और उन्हें राज्य भर में अपने शाही दौरों में अक्सर अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित किया। इसने दोनों के बीच एक जटिल रिश्ते की शुरुआत को चिह्नित किया। हालाँकि, चंदू शाह के आगमन के साथ, जिन्होंने पाँचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन की शहादत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, कहानी एक और भी गहरा मोड़ लेती है। गुरु हरगोबिंद के प्रति चंदू शाह के दुर्भावनापूर्ण इरादे राजनीतिक साज़िश और खतरे के उद्भव का संकेत देते हैं जो विश्वासघात के सामने गुरु के लचीलेपन और अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता की परीक्षा लेंगे। आगरा में एक कठिन दौर के दौरान, सम्राट जहाँगीर एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हुए, जिसके कारण उनके निजी चिकित्सा सहायक प्रभावी उपचार प्रदान करने में असमर्थ हो गए। हताश होकर, उन्होंने चंदू साह के कहने पर ज्योतिषियों से परामर्श करके उपचार की एक अधिक पारंपरिक पद्धति का सहारा लिया, जो प्राचीन भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ताने-बाने में निहित एक प्रथा थी। इन ज्योतिषियों ने जहाँगीर की बीमारी की व्याख्या ग्रहों नामक खगोलीय पिंडों के संरेखण से की, जिनके बारे में माना जाता था कि वे मानव मामलों और स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव डालते हैं और उन्होंने सलाह दिया की सिखों के 6 वें गुरु हरगोबिंद को ग्वालियर किले के जेल में भेजा जाए तभी जहाँगीर के कहने पर गुरु हरगोबिंद की सम्राट जहाँगीर के साथ ग्वालियर की यात्रा के दौरान की ऐतिहासिक कहानी 4 मार्च, 1612 को मचकुंड पहुँचने पर घटी एक महत्वपूर्ण और नाटकीय घटना से चिह्नित है। जब वे पास के भामतीपुरा गाँव में बस गए, तो स्थानीय निवासियों ने एक क्रूर शेर के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की जो समुदाय को परेशान कर रहा था। इस स्थिति ने सम्राट जहाँगीर के लिए एक संदिग्ध अवसर प्रस्तुत किया। गाँव वालों की रक्षा करने के बजाय, उन्होंने शेर के शिकार को गुरु हरगोबिंद को नुकसान पहुँचाने के एक संभावित साधन के रूप में देखा।

कविता

अशोक कुमार यादव
मुंगेली, छत्तीसगढ़

दीपावली : विजय का उत्सव

घरों-घर में देहली-दीपकों की लगी है कतार।
नए पटाखे की ध्वनि से गूँज रहा सारा संसार।।
खुशियों की सौगात लेकर आई है दिवाली।
पर्व की तैयारी करो,चहुँओर है उजियाली।।

सूर्य है दानवीर,प्रकाश और ऊर्जा का दाता।
युति में भू पर पड़ती नहीं चंद्रमा की आभा।।
जनता में अपार हर्ष है,देख रहे हैं राह तुम्हारी।
रामराज लाने के लिए आएँगे विष्णु अवतारी।।

श्रीराम ने सीता को रावण के कैद से छुड़ाया।
वनवास काटकर अयोध्या को वापस आया।।
घी के दीप से आरती उतार कर अभिनंदन करेंगे।
पतित पावन राघव के चरण कमल की वंदन करेंगे।।

अंधकार की ओर नहीं,प्रकाश की ओर जाना है।
बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव मनाना है।।
अज्ञान पर ज्ञान,असत्य पर सत्य की जीत हो।
निराशा पर आशा,जनों में एकता और प्रीत हो।।

सुविचार

शुभ दीपावली

दीवाली का त्योहार हमें बुराई से लड़ने और अच्छाई के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है। इस दिव्य अवसर पर, आइए अपने जीवन को माता लक्ष्मी के आशीर्वाद से रोशन करें।

दीपों की पवित्र आभा से आलोकित वैश्विक दीपावली उत्सव

संजीव ठाकुर

यह सर्वविदित है कि भारत त्योहारों और पर्वों की भूमि है – एक ऐसा देश, जहाँ ऋतुएँ बदलती हैं तो उनके साथ लोक-जीवन में उल्लास की नई धारा प्रवाहित हो उठती है। भारत का प्रत्येक उत्सव केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि संस्कृति, श्रद्धा, कृतज्ञता और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। इन्हीं पर्वों में दीपावली का स्थान सर्वोच्च और सर्वप्रिय है। आज दीपावली की ज्योति केवल भारत के आँगन में ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में प्रज्वलित होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, चीन, जापान जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय इसे पूरे श्रद्धा, स्नेह और संस्कारों के साथ मनाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो व्हाइट हाउस के द्वार दीपावली पर्व के लिए विशेष रूप से जनता हेतु खोल दिए और यह कहा कि – व्हाइट हाउस जनता का ही है, और दीपावली का यह उत्सव सबके लिए है। ग्रेट ब्रिटेन में भी यह पर्व भारत की ही भाँति उल्लास, दीपमालाओं और पारंपरिक सज्जा के साथ मनाया जाता है।कार्तिक अमावस्या की रात को जब अनगिनत दीप अपने छोटे-से अस्तित्व से अंधकार को चुनौती देते हैं, तब वह अमावस्या मानो शरद पूर्णिमा में रूपांतरित हो जाती है। यह दीपोत्सव केवल ज्योति का नहीं, आत्मा के आलोक का पर्व है। पौराणिक परंपरा के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात सीता एवं लक्ष्मण सहित अयोध्या लौटकर रावण पर विजय प्राप्त की थी। उनके स्वागत में सम्पूर्ण अयोध्या नगरी घी के दीपों से आलोकित हो उठी। इस विजयोत्सव के रूप में तब से यह पर्व अनवरत रूप से मनाया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र-मंथन के समय इसी दिवस पर देवी लक्ष्मी का प्रादुर्भाव हुआ था; अतः इस दिन लक्ष्मी पूजन का अत्यंत शुभ महत्व है। दीपावली की रात जनमानस प्रतीक रूप में आशा और स्वागत की प्रतीक्षा में द्वार खुले रखते हैं, दीप जलाते हैं – मानो कह रहे हों, हे सौभाग्य, हे प्रकाश, हमारे घर में पधारो। व्यापारी समुदाय के लिए यह पर्व नववर्ष का आरंभ भी है।

यह नवता, स्वच्छता और शुभारंभ का प्रतीक है। वर्तमान संदर्भ में दीपावली का महत्व और भी व्यापक हो जाता है। यह दिन आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस के रूप में भी स्मरण किया जाता है। इसी प्रकार जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण भी इसी पावन तिथि को हुआ था। अतः आर्य समाज तथा जैन समुदाय के लिए यह दिन श्रद्धा, साधना और प्रकाश का विशेष पर्व है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई के साथ-साथ अंतःकरण के विकारों को भी धोने का प्रयास करते हैं। दीपों की लौ केवल दीवारों को नहीं, अंतरतम के अंधकार को भी आलोकित करती है। बाजारों की रौनक, मिठाइयों की मिठास और स्वर्णाभूषणों की चमक से भी परे, दीपावली का वास्तविक अर्थ है आशा, करुणा और ज्ञान का प्रसार। यही कारण है कि यह पर्व राष्ट्र की आर्थिक चेतना के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन चुका है। धनतेरस से दीपावली तक करोड़ों-अरबों का व्यापार होता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में भी नवोन्मेष का संचार होता है।

दीपावली का गूढ़ संदेश यही है

दीप जलाना केवल रोशनी करने का कार्य नहीं,
यह अंधकार से संवाद करने की कला है।
इसी भाव को साकार करती आपकी पंक्तियाँ —
आओ ज्ञान का दीप जलाएँ
अज्ञानता के घनघोर तमस में,
ज्ञान के सहस्त्र दीप जलाएँ, दूर
करें अंधियारा जगत से।
निराशा मन-मस्तिष्क से मिटाएँ,
आओ एक ज्ञान का दीप जलाएँ।

यही है दीपावली का सच्चा स्वरूप अंधकार से प्रकाश की यात्रा, विकार से विचार की ओर प्रस्थान। आज यह पर्व केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवता, सद्भाव और उजास का उत्सव बन चुका है।

दीपों की यह उजली भाषा,
मानवता का सच्चा आलोक है।
दीप जलें बाहर भी, भीतर भी।

सभी देशवासियों एवं समस्त विश्व को दीपावली की हार्दिक, मंगलमय एवं आलोकित शुभकामनाएँ...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

आज धूमधाम से मनेगा प्रकाश का पर्व दीपावली,रोशन होंगे घर-आंगन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

प्रकाश का पर्व दीपावली सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर चारों तरफ उत्साह है। रविवार को दिवाली के साथ धनतेरस की खरीदारी लोगों ने की। त्योहार की तैयारी को लेकर बाजार में चहल-पहल रही। रंग-बिरंगे झालरों से लेकर अन्य सजावटी सामानों की खरीदारी जोरों पर की गई। इसके अलावा अपने घरों को जगमग करने के लिए मिट्टी के दीये भी लोगों ने खरीदे। लोगों ने दीपावली के शुभ अवसर पर पूजा करने के लिए भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की मूर्तियां भी खरीदीं।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग दिवाली की खरीदारी करते नजर आए। लोगों ने मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अपने-अपने घरों को आकर्षक ढंग से सजाया है। घरों,दुकानों,प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई पिछले कई दिनों से चल रही थी, ताकि लोग दीपावली के शुभ अवसर पर पूजा-अर्चना कर सकें। दीपावली के एक दिन पूर्व लोग बाजार में मिट्टी के दीये, बत्ती, घरों के सजावट के सामान, पूजन सामग्री खरीदते नजर आए। खरीदारी का सिलसिला सोमवार की शाम तक चलेगा। शाम को शुभ मुहूर्त में लोग भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीयों का विशेष महत्व होता है। लोग कितने भी आकर्षक तरीके से लाइटिंग से अपने घरों को जगमग कर लें पर मिट्टी के दीपक घरों में नहीं जले तो दीपावली का पर्व अधूरा रह जाता है, इसलिए मिट्टी के दीपक की खरीदारी पिछले चार दिनों से की जा रही है। लोगों ने बाजार में मिट्टी के दीयों की जमकर खरीददारी की, इससे कुम्हारों के चेहरे पर मुस्कान नजर आई। दीपावली के शुभ अवसर पर जोरदार आतिशबाजी की जाती है। इसे लेकर शहर के पीजी कॉलेज कॉलेज मैदान में लगभग 200 से ज्यादा पटाखें दुकानें लगाई गईं हैं। सोमवार को दिवाली के अवसर पर करोड़ों के पटाखे फूटेंगे। पटाखा व्यवसायी पिछले तीन-चार दिनों से अपनी दुकानें सजाने में लगे हुए थे। महंगाई की मार पटाखों पर भी पड़ी है। गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में दिवाली से पूर्व ग्राउण्ड को फूलों और रंगोली से सजाया गया। दीपावली के अवसर पर ग्राउण्ड में पूजा-अर्चना कर खिलाड़ी दीप प्रज्जवलित करेंगे। इस दौरान प्रशिक्षक राजेश प्रताप सिंह सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे। दिवाली के लिए इस बार एक सप्ताह पूर्व से ही बाजार सजावटी सामान की खरीदारी के लिए सज चुके हैं। इस बार चीन निर्मित माल काफी कम है और महंगा होने के बावजूद स्वदेशी प्रोडक्ट की मांग है। सजावटी सामान के कारोबारियों का कहना है कि लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत होने के चलते इस बार चाइनीज सामान बाजार से लगभग पूरी तरह नदारद है। सजावटी सामान में केवल मेक इन इंडिया प्रोडक्ट की उपलब्धता है। महंगा होने के बावजूद लोग स्वदेशी की ही मांग कर रहे हैं।

निर्धन छात्र निधि से जरुरतमंद विद्यार्थियों को की गई सहायता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में सरस्वती साइकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि मुकेश तायल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला समिति के अध्यक्ष राम शरण कुशवाहा थे। विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत सरहरी के सरपंच मीनामती थी। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य दिलीप तिवारी द्वारा किया गया।

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरहरी में कक्षा नवमी से 12वीं तक अध्यनरत ऐसे छात्र-छात्राएं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, उन्हें निर्धन छात्र निधि (पीबीएफ) से कॉपी पेन एवं बैग दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य मुकेश तायल ने अपने उद्बोधन में अच्छी शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अच्छे कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 एवं 12वीं में विकासखंड स्तर पर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने पर विद्यार्थियों को 5100 का पुरस्कार मेरे द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने विद्यालय के लिए मांग की गई कार्यों को विधायक मद से करवाए जाने की बात कही।

कार्यक्रम को विजय नारायण कुशवाहा, एवं रामशरण कुशवाहा ने भी संबोधित किया। कक्षा नौवीं में अध्यनरत 21 विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों साइकल प्रदाय किया गया एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने किया एवं आभार व्याख्याता विजय भारती द्वारा किया गया।

एक फरार गांजा तस्कर आरोपी को पुलिस ने दबोचा घटना में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश जारी

-संवाददाता-
बलरामपुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर थाना कोतवाली पुलिस ने दिनांक 26/8/2025को दलधोआ घाट में ट्रैक्टर ट्रेक्टर ट्रैक्टर के के दुर्घटना ग्रस्त होने आरोपी के कब्जे से 125कि.ग्रा. गांजा जप्त किया गया था। उक्त घटना में आरोपी अनुज कुमार निवासी आदमापुर थाना सासाराम जिला रोहतास को दिनांक 2/9/2025 को गिरफ्तार कर भेजा जा चुका है। उक्त घटना में शामिल ज्ञानचंद पासवान पिता यमुना पासवान उम्र 21वर्ष निवासी आदमापुर को सासाराम से दबोचकर थाना बलरामपुर लाकर पूछ ताछ कर दिनांक 18/10/2025 को विधिवत गिरफ्तारी कर माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड प्राप्त कर जिला जेल रामानुजगंज भेजा गया। उक्त प्रकरण में अन्य फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है जिसकी जद गिरफ्तारी की जाएगी। जानकारी के अनुसार दिनांक 26/08/2025 के रात्रि को ओडिशा के बालांगीर क्षेत्र से भारी मात्रा में अवैध रूप से ट्रेक्टर ट्रॉली के नीचे चेंबर में गांजा लेकर बिहार सासाराम जा रहे ट्रेक्टर चालक आरोपी अनुज कुमार को बलरामपुर थाना क्षेत्रांतर्गत दलधोवा घाट में दुर्घटना ग्रस्त हो जाने पर आरोपी के कब्जे से 125 कि.ग्रा. गांजा बरामद कर जप्त किया गया था। घटना में आरोपी अनुज कुमार निवासी आदमापुर थाना सासाराम जिला रोहतास को दिनांक 02/09/2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। उच्च अधिकारियों ने कहा, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर द्वारा एंड टू एंड कार्यवाही करते हुए घटना में संलिप्त अन्य आरोपीगण की शीघ्र गिरफ्तारी कर कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही करने के हेतु निर्देश दिए जाने के पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना बलरामपुर से उप निरीक्षक के. पी. सिंह के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम गठित कर फरार आरोपियों की पतातालाश हेतु सासाराम बिहार रवाना किया गया था। विशेष अनुसंधान दल के द्वारा साइबर सेल से प्राप्त तकनीकी जानकारी के गहन विश्लेषण के आधार पर घटना में संलिप्त अन्य आरोपीगण का पहचान करते हुए आरोपी ज्ञानचंद पासवान पिता यमुना पासवान उम्र 21 वर्ष साकिन अदमापुर थाना मुफस्सील जिला रोहतास को सासाराम से पकड़कर थाना बलरामपुर लाया गया जहाँ से पूछताछ एवं आवश्यक साक्ष्य संकलन पश्चात दिनांक 18/10/2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से न्यायिक रिमांड प्राप्त कर जिला जेल रामानुजगंज भेज दिया गया है।

प्रकरण में अन्य फरार आरोपीगण की पतातलाश की जा रही है जिनकी जल्द गिरफ़्तारी कर ली जाएगी। कार्यवाही में निरीक्षक भापेंद्र साहू थाना प्रभारी बलरामपुर, उप निरीक्षक के.पी. सिंह, प्रधान आरक्षक शिपक शर्मा, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र तिवारी एवं आरक्षक दलसाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ट्रेलर चोरी के मामले मे आरोपी गिरफ्तार लगभग 35 लाख का मशरुका किया गया बरामद

थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि प्रार्थी संतोष राठौर पिता द्वारिका प्रसाद उम्र 40 साल सा0 मुण्डा पुलिस चौकी बैकठनगर थाना जैतहर जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश थाना मणीपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि आदित्य टेलर सर्विस ट्रांसपोर्ट टाटीबंध रायपुर में 09 माह से टेलर वाहन कमांक सीजी/04/पीए/9848 को चलाने का काम करता है, कि दिनांक 17/10/25 को रायपुर से टेलर वाहन कमांक सीजी04/पीए/9848 में थ्रेसर लोड़ कर दिनांक 18/10/25 को अम्बिकापुर पहुंचा और थ्रेसर को नमनाकला अम्बिकापर में अनलोड कर वापस रायपुर जा रहा था,साडबार बेरियर मणीपुर अम्बिकापुर के आगे पहुंचा था, कि एक अज्ञात्त व्यक्ति प्रार्थी को हाथ देकर रोका और बोला कि उक्त व्यक्ति ड्रायवरी का काम करता है, आगे जाना है ले चलो तब प्रार्थी उसे टेलर में बैठा लिया बैठने के बाद लगभग 3-4 कि0मी0 आगे जाने के बाद जोगाबांध युरिया पानी का दुकान मिला सुबह समय 10.30 बज रहा था, जहां प्रार्थी अपनी टेलर वाहन को खड़ी कर चाभी गाडी में ही छोडकर युरिया पानी खरीदने के लिये दुकान में गया तभी प्रार्थी के गाडी में लिफ्ट लेकर बैठा अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी के टेलर वाहन कमांक सीजी/04/पीए/9848 को स्वयं चालु कर चोरी कर भागने लगा तब प्रार्थी पिछे से आ रहीं उसके ही कम्पनी का टेलर जिसे सिताराम राठौर चला रहा था, उसे प्रार्थी रूकवाया और बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी का टेलर लेकर भाग रहा है, तब सीता राम के साथ टेलर में बैठ कर उसका पिछा करने लगे तो लखनपुर बस्ती के ठिक पिछे वाले मोड़ में वह अज्ञात व्यक्ति के द्वारा प्रार्थी के टेलर वाहन को ग्रामीण रोड में मोड़ने का कोशिश किया किंतु गाडी को मोड़ नहीं पाया तब वह टेलर गाडी को छोड़कर भागने लगा तब उसे दौड़ाकर प्रार्थी और सिताराम राठौर पकड़े तभी थाना लखनपुर की पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी और राह चलते लोग आ गये तब प्रार्थी पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी को पुरी बात बताने पर पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त व्यक्ति को मौक़े से पकड़ा गया है। प्रार्थी द्वारा मामले की रिपोर्ट थाना मणीपुर आकर दर्ज करने पर थाना मणीपुर मे अपराध क्रमांक 286/25 धारा 303(2) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

मामले मे थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा अग्रिम कार्यवाही करते हुए मौक़े से पकड़कर लाये गए आरोपी से पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम विपिन सिंह बादी आत्मज कृपाल सिंह उम्र 22 साल निवासी ललाती थाना उदयपुर जिला सरगुजा का होना बताया,आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पुछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया एवं चोरी किये हुये टेलर वाहन कमांक सीजी/04/पीए/9848 को पेश करने पर जप्त किया गया, आरोपी के विरूध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, युवक पूर्व मे भी आपराधिक गतिविधि मे संलिप्त रहा है, चोरी के प्रकरण मे चालान हो चुका है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह थाना लखनपुर से उप निरीक्षक कृष्णा यादव, प्रधान आरक्षक विजय रवि, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, उमाशंकर साहू, अनिल सिंह, पवन यादव, सैनिक दिनेश यादव सक्रिय रहे।

स्कूली बच्चों को लटका कर ले जाने वाले वाहन पर हुई कार्यवाही

-संवाददाता-
बलरामपुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र में एक पिकअप वैन के पीछे लटका कर स्कूली बच्चों को ले जाने संबंधी खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने पर बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त वाहन को जप्त कराया है और वाहन चालक पर नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा पूरे जिले में किसी भी माल वाहक वाहनों में स्कूली बच्चों को ले जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 18 अक्टूबर को सोशल मीडिया में प्रसारित खबर के अनुसार थाना रामचंद्रपुर क्षेत्र में माल वाहक वाहन (मैजिक छोटा हाथी) में सवारी व बच्चों को वैन के पीछे लटका कर ले जाने संबंधी खबर के संज्ञान में आने पर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर द्वारा थाना प्रभारी रामचंद्रपुर को उक्त वाहन मालिक व चालक के विरुद्ध तत्काल आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देशानुसार थाना प्रभारी रामचंद्रपुर द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त माल वाहक मैजिक छोटा हाथी) यूपी 64एटी 64 28, के वाहन स्वामी जवाहिर रजक पिता लक्ष्मण रजक निवासी ग्राम धवनी थाना सनवाल के खिलाफ यातायात नियम के तहत माल वाहक वाहन से सवारी ले जाना पाए जाने पर ,मोटर व्हीकल एक्ट के तहत धारा 66/192 (ए-1सी) अंतर्गत 5000 (पांच हजार रुपए) का चालानी कार्यवाही कर वाहन चालक का लाइसेंस निरस्त करने हेतु निर्धारित प्रक्रिया अनुसार प्रकरण बनाकर निरस्तीकरण हेतु कार्यवाही की गई है। भविष्य में इस प्रकार यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने से वाहन स्वामी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने कहा गया है।

नशीली इंजेक्शन विक्रेता व सप्लायर से भारी मात्रा में नशीली इंजेक्शन जप्त,नाबालिक बालक सहित 4 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा निरंतर अवैध कारोबार व सूखा नशा के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम सिरसी जूनापारा निवासी राही खान अपने घर के पास अवैध रूप से नशीली इंजेक्शन अत्यधिक मात्रा में बिक्री करने हेतु रखा है। सूचना पर चौकी बसदेई पुलिस मौके पर पहुंची और दबिश देकर राही खान को पकड़ा जिसके कब्जे से 38 नग एविल इंजेक्शन व 10 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन जप्त किया गया। पूछताछ पर उसने बताया कि ग्राम जमड़ी के पवन पाटिल, मोहरमनियां, 1 अन्य व्यक्ति तथा एक अपचारी बालक के पास से कई बार खरीद कर बिक्री हेतु लाना बताया। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर मोहर मनिया को पकड़ा जिसके कब्जे से 118 नग एविल इंजेक्शन, 134 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन जप्त किया गया वहीं आरोपी पवन पाटिल एवं एक विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालक को भी पकड़ा गया। मामले में कुल 300 नग नशीली इंजेक्शन कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रूपये का जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी राहीखान पिता स्व. रकीब खान उम्र 40 वर्ष ग्राम सिरसी, चौकी बसदेई, पवन पाटिल पिता स्व. मानसाय उम्र 18 वर्ष 4 माह, मोहर मनिया पति मानसाय उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम जमड़ी, थाना झिलमिली को गिरफ्तार किया गया वहीं विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालक को विधि अनुसार किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक अलका टोप्पो, आरक्षक देवदत्त दुबे, निलेश जायसवाल, अशोक केंवट, अनिल विश्वकर्मा, अशोक सिंह, रामकुमार सिंह व महिला आरक्षक पूनम सिंह सक्रिय रही।

धर्मातंरण के लिए प्रलोभन देने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मामले के संबंध में ग्राम बुंदिया थाना भटगांव निवासी सुरेश कुमार पिता कुंवर साय ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि गांव का एक व्यक्ति घर आकर बोला कि बज्चू के घर तुम्हे बुला रहे है उसके साथ बज्जू के यहां गया जहां जीवन, शिवा टोप्पो, दिरन मिले जो सभी लोगों के द्वारा मुझे हिन्दु धर्म के देवताओं को मानने से कोई फायदा नहीं है, हमेशा बीमार एवं गरीबी रहता है, ईसाई धर्म को अपनाने से सभी प्रकार की बीमारी एवं गरीबी दूर हो जाता है, गांव में सरकारी जमीन का पट्टा बन जाता है गांव के एक व्यक्ति के नाम पर सरकारी जमीन का पट्टा बन गया है वे लोग धर्म परिवर्तन करवा लिए है इसलिए तुम भी अपना धर्म हिन्दु से इसाई धर्म अपना लो। वे लोग प्रार्थना सभा अपने घर में कर झूठा प्रलोभन देकर गांव के भोले-भाले लोगों को धर्म परिवर्तन करा रहे है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 168/25 धारा 299, 354, 196, 197, 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना भटगांव पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना करते हुए दबिश देकर आरोपी बज्जू मिंज पिता स्व. फउदा मिंज उम्र 45 वर्ष ग्राम बुंदिया, थाना भटगांव, शिवा टोप्पो पिता स्व. पंडु उम्र 56 वर्ष ग्राम बुंदिया, जीवन लकड़ा पिता अघनु लकड़ा उम्र 30 वर्ष ग्राम बुंदिया, दिरन टोप्पो पिता शिवा उम्र 30 वर्ष ग्राम बुंदिया, थाना भटगांव को पकड़ा। पूछताछ पर ईसाई धर्म का प्रचार कर प्रलोभन देना बताया है। मामले में ईसाई पुस्तक बाईबिल व 1 नग कापी जप्त कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और आगे की विवेचना जारी है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, प्रधान आरक्षक संजय चौहान, आरक्षक मेडी, विश्वरंजन सिंह, दिनेश ठाकुर व राधेश्याम सक्रिय रहे।

CMYK

धनतेरस के बाद सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। धनतेरस के अगले दिन घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को सोना और चांदी बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,30,860 रुपये से लेकर 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना रविवार को भी 1,19,950 रुपये से लेकर 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में रविवार को भी 1,72,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से

शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 5,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 5,300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने के विपरीत पूरे सप्ताह के कारोबार में चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 8,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी आ गई है। दिल्ली में रविवार को 24 कैरेट सोना 1,31,010 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी रविवार को सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 3 महीने बाद घरेलू शेयर बाजार में खरीदार बनकर लौटे

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। लगातार 3 महीने से घरेलू शेयर बाजार में बिकवाल (सेलर) की भूमिका निभा रहे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब खरीदार (बायर) की भूमिका में नजर आने लगे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में अभी तक शुद्ध रूप से 6,480 करोड़ रुपये का निवेश किया है। शेयर बाजार की तरह घरेलू बॉन्ड बाजार में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने पूरे उत्साह के साथ निवेश किया है। इस महीने 17 अक्टूबर तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बॉन्ड बाजार में जनरल लिमिट के तहत 5,332 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके थे। इसके अलावा उन्होंने वॉलंटरी रिटेंशन रूट के जरिए भी 214 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अक्टूबर के पहले के लगातार 3 महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार में बिकवाल की भूमिका निभा रहे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से अक्टूबर के पहले सितंबर के महीने में 23,850 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इसी तरह अगस्त के महीने में एफपीआई ने 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई के महीने में

17,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। साल 2025 की बात करें, तो जनवरी से अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक स्तर पर छाई अनिश्चितता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में नए सिरे से निवेश करने की बात को बाजार के सेंटीमेंट में हो रहे बड़े बदलाव का संकेत माना जा सकता है। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की वापसी वैश्विक स्तर पर भारतीय बाजार के प्रति लगातार बढ़ रहे विश्वास को भी दर्शाता है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार भारत में जिस तरह से विकास दर की रफ्तार बनी हुई है और महंगाई पर काबू पाने में सफलता हासिल की गई है, उससे भारतीय बाजार के प्रति विदेशी निवेशकों में भरोसा बढ़ा है। इसी तरह खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के साथ ही जिस तरह से वैश्विक स्तर पर लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार हो रहा है, उससे भी विदेशी निवेशकों का उत्साह बढ़ा है। खासकर, अमेरिका में ब्याज दरों में एक बार फिर कटौती होने का संकेत मिलने के बाद से विदेशी निवेशक भारत जैसे हाई रिटर्न वाले बाजारों में अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं। इसके अलावा कुछ समय पहले तक दबाव में नजर आ रही भारतीय कंपनियों के शेयरों की वैल्यूएशन अब करेक्शन के बाद आकर्षक हो गई है। इस वजह से भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की रुचि भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने को लेकर बढ़ गई है।

शेयर बाजार में दिवाली की छुट्टी 21 अक्टूबर को

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह चार दिन छुट्टी रहने वाली है। इन चार दिनों में दो दिन दिवाली और दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी होगी, जबकि दो दिन शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होगा। इस सप्ताह शेयर बाजार में सिर्फ तीन दिन ही ट्रेडिंग होगी। हालांकि इस सप्ताह दिवाली की छुट्टी को लेकर शेयर बाजार में असमंजस की स्थिति भी बनी रही।

देश के ज्यादातर हिस्सों में दिवाली सोमवार को मनाई जा रही है। दिवाली के मौके पर अन्य संस्थाओं की तरह शेयर बाजार में भी छुट्टी होती है। इस दिन परंपरागत रूप से होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए शेयर बाजार सिर्फ 1 घंटे के लिए खुलता है। दिवाली के दिन यानी 21 अक्टूबर को मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए बीएसई और एनएसई दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक 1 घंटे के लिए खुलेगा। मुहूर्त ट्रेडिंग शुरू होने के पहले दोपहर 1:30 से 1:45 बजे तक प्री-ओपन सेशन भी रहेगा, जिससे ट्रेडर्स ट्रेडिंग के लिए तैयारी कर सकेंगे। मुहूर्त ट्रेडिंग का ये सत्र निवेशकों के लिए काफी अहम माना जाता है। कुछ कारोबारी इस मौके पर हुई ट्रेडिंग को अपने आने वाले साल का संकेत भी मानते हैं। अगर मुहूर्त

ट्रेडिंग के रिकॉर्ड की बात करें, तो पिछले 16 सालों में से 13 बार इस विशेष सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए हैं। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली के मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स 335.06 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 79,724.12 के स्तर पर और निफ्टी 99 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 24,304.35 पर बंद हुए थे। बीएसई और एनएसई की ओर से जो सूचना अभी तक जारी की गई है, उसके मुताबिक सोमवार यानी 20 अक्टूबर को शेयर बाजार खुले रहेंगे, जबकि 21 अक्टूबर को दिवाली और लक्ष्मी पूजा की छुट्टी रहेगी। इसके अगले दिन 22 अक्टूबर को भी घरेलू शेयर बाजार दिवाली बलि प्रतिपदा के मौके पर बंद रहेगा। इस तरह घरेलू शेयर बाजार में लगातार दो दिन एक 21 और 22 अक्टूबर को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 23 और 24 अक्टूबर को सामान्य कारोबार होगा, जबकि 25 अक्टूबर को शनिवार और 26 अक्टूबर को रविवार के चलते स्टॉक मार्केट बंद रहेंगे। इस तरह दिवाली वाले हफ्ते में शेयर बाजार 4 दिन बंद रहेगा। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार और 22 अक्टूबर को बीएसई में इक्विटी सेगमेंट और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट समेत एसएलबी सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई पार्टी रेपो, कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर) सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे है। एनएसई में भी इन दोनों तारीखों पर इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कमोडिटीज डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी।

इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी दिवाली के मौके पर 21 और 22 अक्टूबर को छुट्टी रहेगी। दिवाली के बाद बाकी बचे हुए साल 2025 में शनिवार-रविवार के अलावा शेयर बाजार नवंबर में 5 तारीख को गुरु पूरब की छुट्टी होगी, जबकि 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। इन छुट्टियों के अलावा करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में 5 सितंबर को ईद-ए-मिलाद की भी छुट्टी रहेगी।

देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण बढ़ा,दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल सबसे आगे रहीं। शेयर बाजार में तेजी का कंपनियों को फायदा हुआ। पिछले सप्ताह, बीएसई बेंचमार्क 1,451 अंक या 1.75 प्रतिशत उछला।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एयरटेल का बाजार मूल्यांकन बढ़ा : शीर्ष 10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल,

आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक,बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को फायदा हुआ,जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 47 हजार करोड़ रुपये बढ़कर 19.17 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो शीर्ष 10 कंपनियों में सबसे अधिक है। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 41 हजार करोड़ रुपये बढ़कर कुल 11 लाख करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 40,123 करोड़ रुपये बढ़कर 10,26,491 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का 33,185 करोड़ रुपये बढ़कर 15,40,210 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,903 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,65,899 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 17,774 करोड़ रुपये बढ़कर 6,12,009 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,938 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,924 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इंफोसिस का मूल्यांकन 30,306 करोड़ रुपये घटकर 5,98,773 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,807 करोड़ रुपये घटकर 10,71,894 करोड़ रुपये और एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 7,684 करोड़ रुपये घटकर 5,60,173 करोड़ रुपये रह गया।

साप्ताहिक समीक्षा : लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। शुक्रवार यानी 17 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। इस सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,451.37 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 83,952.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 424.50 अंक यानी 1.67 प्रतिशत उछल कर 25,709.85 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार के मजबूत होने में घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी,विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदार के तौर पर बाजार में वापसी, कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में एक बार फिर कटौती करने का संकेत दिए जाने को मुख्य कारण माना जा रहा है। इसी कारण घरेलू शेयर बाजार पिछले 4 महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज करने में सफल रहा। यह स्थिति भी तब रही, जब अमेरिका में जारी शटडाउन की वजह से वैश्विक स्तर पर चिंता बनी हुई है। इसी तरह अमेरिका और चीन के बीच एक बार फिर शुरू हुए व्यापारिक तनाव ने भी पूरी दुनिया में डर का माहौल बना दिया है, जिसकी वजह से निवेशक सतर्क होकर कारोबार कर रहे हैं। शुक्रवार को खत्म हुए सप्ताह के दौरान बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1.5 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पावर, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, वारी एनर्जीज और एशियन पेंट्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर वोडाफोन आइडिया, इंफोसिस, विप्रो, सीमेंस एनर्जी इंडिया, इंडस टावर्स, पॉलिकैब इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार के

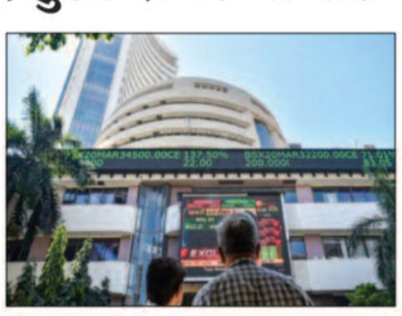

दौरान बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आया। इस इंडेक्स में शामिल वर्लपूल ऑफ इंडिया, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, गोदरेज प्रॉपर्टीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, परसिस्टेंट सिस्टम्स, सोना बीएलडब्ल्यू प्रेसीजन फोर्जिंग्स और ओबेरॉय रीयल्टी के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, पीबी फिनटेक, एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, बंधन बैंक, यस बैंक, ऑरिकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस और टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का स्मॉल कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 0.60 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल लोटस चॉकलेट कंपनी, मैगेलैनिक क्लाउड, वीएल ई गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, धनसारी वेंचर्स और वालचंद नगर इंडस्ट्रीज के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर 15 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर स्टेलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, जीएम ब्रेवरीज, शेयर इंडिया सिक्योरिटीज, तत्व चिंतन फार्मा केमिकल्स और एमटीएआर टेक्नोलॉजीज के शेयर साप्ताहिक आधार पर 21 से 41 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे।

एमएसएमई को सात साल में मिले 2.65 लाख करोड़ के लोन,अब तोहफे में भी दे सकते हैं फास्टैग सालाना पास

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के लिए लोन की जरूरत होने पर उद्यमियों ने बीते सात साल के दौरान पीएसबी लोन्स इन 59मिनट्स प्लेटफॉर्म का जमकर इस्तेमाल किया है। इस प्लेटफॉर्म की तरफ से जारी बयान के मुताबिक एमएसएमई के लिए 7 वर्षों में 2.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि के लोन को मंजूरी दी गई। यह प्लेटफॉर्म आमतौर पर 10 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए एक घंटे के भीतर ऋण स्वीकृति की सुविधा प्रदान करता है। 2018 में स्थापना के बाद से अब तक अब तक लगभग 30 लाख ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। एमएसएमई को कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ जोड़ने वाला यह प्लेटफॉर्म जीएसटी रिटर्न, आयकर फाइलिंग, बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट ब्यूरो रिपोर्ट जैसी जानकारी एकीकृत करता है। इससे लोन की प्रक्रिया कुछ ही घंटे में पूरी हो जाती है। प्लेटफॉर्म से मिली स्वीकृति से इतर बैंक वित्तीय मानकों के आधार पर दस्तावेजों की गहन पड़ताल करते हैं। फास्टैग का सालाना पास अब राजमार्गयात्रा एप के जरिये किसी को भी तोहफे में दिया जा सकता है। एप पर पास जोड़ें विकल्प पर क्लिक करके उपयोगकर्ता उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़

सकते हैं जिसे वे फास्टैग सालाना पास तोहफे में देना चाहते हैं। ओटीपी सत्यापन के बाद उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर सालाना पास सक्रिय हो जाएगा। यह पास एक साल की वैधता या 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए 3,000 रुपये के एकमुश्त भुगतान से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की जरूरत को खत्म करता है। सॉफ्टबैंक समर्थित ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने आईपीओ के माध्यम से 4250 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए मीशो ने भारतीय शेयर बाजार नियामक- सेबी के पास ड्राफ्ट दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गममें 4,250 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी करने की योजना है। मौजूदा निवेशक 1.75 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री भी करेंगे।

धनतेरस पर मुंबई के झवेरी बाजार में बिका 36 टन सोना, सिक्के और बार बने ग्राहकों की पहली पसंद

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। धनतेरस के अवसर पर मुंबई के प्रसिद्ध झवेरी बाजार में करीब 36 टन सोने की बिक्री हुई। इसमें सिक्कों और गोल्ड बार की खरीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। सोने की कीमत में 5000 रुपये की गिरावट के बाद ग्राहकों का रुझान बढ़ा। इससे कुल कारोबार में तेजी आई। इस बार चांदी की बिक्री भी मजबूत रही, जबकि सोने के गहनों की बिक्री में थोड़ी कमी आई। इस उत्सव के दौरान देशभर में लगभग 50,000 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। धनतेरस के एक दिन पहले सोने की कीमतें 1,36,000 रुपये 10 पर थी, जो शनिवार 18 अक्टूबर धनतेरस के दिन 5000 रुपये गिरकर 1,31,425 रुपये 10 ग्राम पर

कारोबार करती दिखी। चांदी की कीमत 157,590 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया सोने की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत कम रहने का अनुमान है। पिछले वर्ष धनतेरस पर करीब 39 टन सोना बिका था, जबकि इस बार देर रात तक लगभग 36 टन सोने की बिक्री होने की संभावना है।

ऑनलाइन खरीददारी में छोटे शहरों ने महानगरों को पछाड़ा,फैशन और कॉस्मेटिक उत्पादों की बढ़ी मांग

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2025। दिवाली पर इस साल गैर-मेट्रो शहरों ने सबसे अधिक ऑनलाइन खरीददारी की। यह कुल ई-कॉमर्स कारोबार का लगभगत तीन-चौथारी हिस्सा रहा। अकेले टियर-3 शहरों का योगदान पचास फीसदी से अधिक रहा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। लॉजिस्टिक्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म क्लिकपोस्ट ने 4.25 करोड़ शिपमेंट के डाटा का विश्लेषण किया। रिपोर्ट में बताया गया कि त्योहारों के इस सीजन में ई-कॉमर्स में सबसे तेज और सबसे अधिक योगदान गैर-मेट्रो शहरों का रहा। रिपोर्ट में कहा गया, भारत के गैर-मेट्रो शहरों की रफ्तार हैरान करने वाली है। अकेले टियर-3 शहरों से 50.7 फीसदी ऑर्डर आए। टियर-2 शहरों से 24.8 फीसदी ऑर्डर मिले। यानी भारत के छोटे शहरों से कुल मिलाकर 74.7 फीसदी ऑर्डर आए। यह दिखाता है कि यही क्षेत्र अब ऑनलाइन खरीददारी की असली ताकत हैं। दुर्गा पूजा के दौरान फैशन की मांग 14.3 फीसदी तक बढ़ी। करवा चौथ के मौके पर तो कॉस्मेटिक उत्पादों की खरीदारी फैशन को भी पीछे छोड़ गई। इतनी बड़ी संख्या में ऑर्डर आने के बावजूद देश की लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने औसतन 2.83 दिन में डिलीवरी की। साथ ही, उसी दिन डिलीवरी का 4.2 फीसदी से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई। टियर-3 शहरों में अब भी नकद पर डिलीवरी (कैश ऑन डिलीवरी) सबसे पसंदीदा तरीका बना हुआ है। यहां 52 फीसदी ऑर्डर नकद पर डिलीवरी से किए गए। हालांकि, देशभर में महंगे उत्पादों की खरीद में डिजिटल भुगतान का ज्यादा इस्तेमाल हुआ। ऑर्डर का औसत मूल्य भी 32.5 फीसदी बढ़ा है। 2024 में जहां औसत ऑर्डर 3,281 रुपये का था, वहीं 2025 में यह 4,346 रुपये हो गया। क्लिकपोस्ट के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नमन विजय ने कहा, भारत खुदरा कारोबार के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। अब टियर-3 शहर मेट्रो को पीछे छोड़ रहे हैं। दिलों में अभी भी कैश ऑन डिलीवरी है, लेकिन महंगी खरीदारी में डिजिटल भुगतान आगे है। अब कपड़ों के साथ-साथ घर को बेहतर बनाने वाले उत्पाद भी त्योहारों में खूब खरीदे जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, जो कंपनियां स्मार्ट हैं, वे पहले से ही अगली दिवाली की तैयारी कर रही हैं। इसमें सैकड़ों शहरों में उसी दिन डिलीवरी की योजना, स्थानीय जरूरतों के हिसाब से उत्पादों की पेशकश और तेज डिलीवरी मॉडल शामिल हैं। क्लिक पोस्ट हर महीने भारत, दक्षिण पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका और अमेरिका में 450 से ज्यादा ब्रांड के लिए पांच करोड़ से ज्यादा ऑर्डर संभालता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपनी गाड़ी से हूटर हटाया उपाध्यक्ष ने कहा कार्यक्रमो में पहुंच हूटर बनाता है आसान

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा जिला पंचायत अध्यक्ष ने अनुशासन और सादगी की पेश की मिसाल

- दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित किया था जिला पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष,पूर्व विधायकों की गाड़ियों में हूटर का समाचार
- समाचार से अध्यक्ष हुए जागरूक, उपाध्यक्ष ने हूटर का महत्व बताया,कांग्रेस के युवा नेताओं ने उपाध्यक्ष के हूटर प्रेम को सराहा

हूटर का प्रयोग निजी वाहनों में है वर्जित...ऐसा है कानून फिर भी नेताओं में हूटर का है जुनून

-संवाददाता-
कोरिया,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना ने कोरिया जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित पूर्व निर्वाचित रह चुके जनप्रतिनिधियों के वाहनों में लगे हूटर को लेकर समाचार का प्रकाशन किया था जिसमें इसे गैर कानूनी और अनावश्यक बताया था, इसे शक्ति प्रदर्शन और खास बनने की चाहत बताया था जिस खबर का पहला असर होता नजर आया है और जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा ने अपनी वाहन से हूटर हटवा दिया है,मोहित राम पैकरा द्वारा वाहन से हूटर हटाए जाने की खबर भाजपा जिलाध्यक्ष ने सोशल मिडिया पर दी है और इसे जिला पंचायत अध्यक्ष का अनुशासन और उनकी सादगी के तौर पर उन्होंने पेश किया है वहीं इसी सोशल मीडिया पोस्ट में जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने भी अपना पक्ष रखा है और उन्होंने हूटर को आवश्यक बताया है जनता और कार्यक्रमों में इसके कारण पहुंच आसान होती है उन्होंने यह कहने का प्रयास किया है,जिला पंचायत उपाध्यक्ष के हूटर प्रेम को कांग्रेस के युवा नेताओं का समर्थन प्राप्त हुआ है और उन्होंने भी इसे इसलिए जायज बताया है क्योंकि बैकुंठपुर की सड़क संकरी है,वैसे जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा के हूटर हटवाने मामले में जिले भर के भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं का भी पक्ष देखने सुनने को मिला है उनके विचार भी सामने आए हैं जिसमें सभी ने इस कदम को सराहनीय बताया है और इसे अध्यक्ष की सरलता और सहजता घोषित किया है।

निजी वाहनों में हूटर लगाना गैर कानूनी है और यह एक अपराध है इसके लिए भारी भरकम जुर्माने का प्रावधान है ऐसा कानून के जानकार बताते हैं। वैसे जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा के द्वारा हूटर हटवाने के बाद अब और कौन उनसे प्रेरणा लेता है और अपनी वाहनों से हूटर हटवाता है यह देखने वाली बात होगी क्योंकि मोहित राम पैकरा निजी वाहन की बजाए

अधिकृत शासकीय वाहन में चलते हैं और जब उन्होंने शासकीय वाहन से हूटर निकलवा दिया है तो अब निजी वाहनों में लगे हूटर क्या अन्य नेता निकलवाएंगे यह देखने वाली बात होगी। हूटर आज एक प्रतिष्ठा का विषय बन चुका है और आज छोटे छोटे ऐसे नेता भी अपनी वाहनों में हूटर लगाकर घूम रहे हैं जो न निर्वाचित हैं और यदि हैं तो उनका पद इतना का महत्वपूर्ण नहीं की उन्हें हूटर की जरूरत हो,हूटर को लेकर कांग्रेस के युवा नेताओं का तर्क अजीब है वैसे, जिलाध्यक्ष भाजपा के सोशल मीडिया पोस्ट में वह सड़क चौड़ीकरण की बात पर हूटर का समर्थन कर रहे हैं,बैकुंठपुर शहर की सड़क में लगने वाले जाम के कारण हूटर आवश्यक है उनका मानना है,वैसे क्या शहर में लगे जाम में से गाड़ी बाहर निकालने के लिए हूटर सहायक होगा और क्या हूटर बजाते जाम में फंसी गाड़ियों को रौंदते हूटर वाली गाड़ियां निकल जाएंगी? जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया ने हूटर अपनी गाड़ी से हटाकर जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों

को भी संदेश दिया है कि वह भी ऐसा करें जिससे कानून का पालन हो सके और जनता से बीच विशेष और अलग या खास बनकर जाने की जरूरत न पड़े क्योंकि जनता ने ही उन्हें चुनकर भेजा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष के निर्णय की सभी लोग कर रहे तारीफ-

जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा के द्वारा अपनी गाड़ी से हूटर हटवाए जाने के बाद अब उनकी सभी तरफ तारीफ हो रही है,जिला पंचायत अध्यक्ष का निर्णय उनकी सादगी पूर्ण जीवन का उदाहरण है,लोगों ने उनके निर्णय को नियमों का पालन और एक अच्छे जनप्रतिनिधि का गुण बताया,लोगों ने कहा कि आज जब दिखावे के पीछे और प्रभाव साबित करने नेता हूटर गाड़ी में लगाकर खुद को साबित कर रहे हैं जिला पंचायत अध्यक्ष का यह निर्णय स्वागत योग्य है और इसकी जितनी तारीफ की जाए वह कम है।

हूटर निजी वाहन पर लगाया जाना है गैर कानूनी मामला

कानून के जानकार कहते हैं हूटर का प्रयोग कुछ निश्चित वाहनों में किया जाना है जिसमें एम्बुलेंस,फायर ब्रिगेड वाहन,पुलिस वाहन शामिल हैं,इसके अतिरिक्त शासकीय वाहनों में भी कही कहीं इसका उपयोग होता है,निजी वाहनों में उन्हें इसकी अनुमति है जो इसके लिए गृह विभाग से अनुमति प्राप्त कर सकें,कुल मिलाकर निजी वाहनों में हूटर गैर कानूनी मामला है और यह अपराध की श्रेणी में आने वाला एक व्यवहार है।

जिले में कई वर्तमान पूर्व जनप्रतिनिधियों की गाड़ियां में लगा है हूटर,क्या वह खुद निकलवाएंगे या उन पर पुलिस करेगी कार्यवाही?

जिले में विधायक, पूर्व विधायक, जिला उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष सहित कई पार्टियों के नेताओं की गाड़ियों में हूटर लगा हुआ है जो लगातार बजाकर चलते नजर आते हैं,जिला पंचायत अध्यक्ष ने हूटर निकलवाकर एक सच्चे जनसेवक का परिचय दिया है अब देखना है अन्य जो गाड़ियों में हूटर लगाकर चल रहे हैं वह क्या जिला पंचायत अध्यक्ष से प्रभावित होकर ऐसा करते हैं,वैसे यदि अब यदि अन्य अपनी वाहनों से हूटर नहीं हटवाते क्या उन पर पुलिस कानूनी कार्यवाही करेगी यह देखने वाली बात होगी।

घटती घटना
अम्बिकापुर,बुधवार 02 जुलाई 2025
5
क्या वर्तमान सहित पूर्व जनप्रतिनिधियों में रुतबे के लिए है हूटर प्रेम...
रुतबे के लिए हूटर मामले में कानून की नेता उड़ा रहे धज्जियां?

जिला पंचायत उपाध्यक्ष का तर्क विचित्र,हूटर को बताया सहूलियत का विषय

जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने वाहन से हूटर हटाया वहीं इस मामले में सोशल मीडिया में उन्हें सच्चा जनसेवक बताया जाने लगा,इस बीच सोशल मीडिया में जारी बधाईयों और जिला पंचायत अध्यक्ष की सराहनाओं के बीच जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने भी अपना पक्ष रखा और हूटर को जनता के बीच विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचने के लिए आसानी का माध्यम बताया,उन्होंने लिखा वह जनता को परेशान नहीं करना चाहती वहीं हूटर से आसानी होती है कहीं पहुंचने में,उपाध्यक्ष का पक्ष विचित्र इस मामले में है कि वह कहीं न कहीं हूटर का समर्थन कर रही हैं और कार्यक्रमों में पहुंचने के लिए इसे साधन बता रही हैं जबकि जिला पंचायत उपाध्यक्ष की बजाए अध्यक्ष की विभिन्न कार्यक्रमों में ज्यादा अपेक्षा होती है उनकी उपस्थिति अधिक अपेक्षित होती है और यदि अध्यक्ष को हूटर आवश्यक नहीं लग रहा है तो फिर उपाध्यक्ष को आवश्यक क्यों लग रहा है यह समझ से परे है। वैसे हूटर से केवल और केवल माहौल बनाया जाता है खुद को खास बताया जाता है इसके अलावा इसका महत्व और उपयोगिता आज तक समझ से परे है क्योंकि इसका चलन पुराना है।

सोनहत में स्टेट बैंक की सेवा प्रारम्भ ग्राहक खुलवा सकते है खाता

-संवाददाता-
सोनहत,19 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सोनहत क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा प्रारम्भ हो चुकी है, खाता खोलने सहित लेन देन भी शुरू हो गया है। स्टेट बैंक की शाखा खुलने से क्षेत्र को बैंकिग सेक्टर की बड़ी सुविधा मिल सकेगी वही कर्मचारियों को भी भारी राहत मिल सकेगी। ज्ञात हो कि इससे पहले स्टेट बैंक की सेवाओं के लिए बैकुण्ठपुर का जाना पड़ता जिससे अब सोनहत वासियों को निजात मिल सकेगी, सोनहत स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक अविनाश चन्द्र पटेल ने बताया कि बैंक में लेन देन शुरू है सभी प्रकार की बैंकिंग सेवा चालू है उन्होंने स्टेट बैंक की सेवा का लाभ लेने के लिए सोनहत क्षेत्र के जन मानस खाता खुलवाने की अपील भी किया है। साथ ही जरूरत मंद लोगो को छोटे करंसी नोट भी प्रदान किये।

मवेशी दफनाने के नाम पर भी नगर पंचायत पटना में सीएमओ ने किया भ्रष्टाचार,जेसीबी संचालक फर्म को अनाप-शनाप किया भुगतान

नवी जेबीसी फर्म को साफ-सफाई सहित मवेशी दफनाने के नाम पर हुआ लाखों का भुगतान,जेसीबी जितनी चली नहीं उससे कही अधिक मिला उसे किराया

-संवाददाता-
कोरिया/पटना 19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

नव गठित नगर पंचायत पटना में व्याप्त भ्रष्टाचार का मामला प्रतिदिन उजागर हो रहा है और अब एक नए खुलासे के बाद यह बात सामने आई है कि सीएमओ ने कुछ फर्मों के साथ मिलकर नगर पंचायत की विकास निधियों में जमकर सेंध लगाया है और विकास निधियों का जमकर भ्रष्टाचार किया है,नई जानकारी में मवेशियों को दफनाए जाने और नगर की सफाई के लिए खूब जेसीबी चलाई गई और जिसके लिए लाखों का भुगतान किया गया जबकि जेबीसी उतनी चली ही नहीं केवल विकास निधियों में जेसीबी फर्म को हिस्सा प्रदान किया सीएमओ ने वह भी गलत बिल लगाकर भुगतान के माध्यम से। नगर पंचायत पटना में भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंचे अधिकारियों के द्वारा ऐसी ऐसी चोरी पकड़ी गई है जो भ्रष्ट अधिकारी और ऐसे फर्मों की पोल खोलने काफी है जो नवगठित नगर पंचायत को खोखला कर रहे हैं और विकास की जगह नगर को विनाश की ओर ले जा रहे हैं। नवी जेसीबी फर्म ने कई बार नगर की सफाई और नगर में मृत मवेशियों को दफनाने के नाम पर भुगतान

प्राप्त किया है जो काम से अधिक अत्यधिक का भुगतान है,बताया जाता है कि जितने मवेशी मृत नहीं हुए उससे अधिक दफना दिए नवी जेसीबी फर्म ने और फर्म ने साफ सफाई के नाम पर भी भुगतान बिल प्रस्तुत किया जिसके अनुसार भुगतान किया गया जो बिना काम किए प्रस्तुत बिल हैं जो केवल भ्रष्टाचार है। वैसे क्या अब मामले में सीएमओ और नवी जेसीबी फर्म पर भी कार्यवाही की अनुशंसा होगी क्या फर्म को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा नगर पंचायत में जिसके द्वारा फर्जी बिल प्रस्तुत कर भुगतान स्वीकार किया जा रहा है यह बड़ा सवाल है। वैसे सीएमओ के ऊपर विभिन्न भ्रष्टाचार को लेकर अब पुलिस प्राथमिकी की तैयारी में हैं अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित पीआईसी सदस्य,सभी उजागर हुए भ्रष्टाचार के मामलों से आहत हैं और इसे नगर की जनता के साथ धोखा बता रहे हैं। नवी जेसीबी फर्म के अलावा अन्य कई फर्म बिना कार्य के भुगतान स्वीकार किए हैं जो कार्य किए बगैर ही भुगतान स्वीकार के मामले हैं,अब सभी के विरुद्ध कार्यवाही की अनुशंसा की प्रतीक्षा में है नगर की जनता।

अध्यक्ष की शिकायत पर हुई है भ्रष्टाचार की जांच- नव गठित नगर पंचायत पटना में गठन से ही जारी भ्रष्टाचार से जब अध्यक्ष अवगत हुई तब उन्होंने शिकायत करनी आरंभ की और तब जाकर भ्रष्टाचार की जांच हुई और भ्रष्टाचार की पुष्टि होती नजर आई,नगर में व्याप्त भ्रष्टाचार मामले में अध्यक्ष लगातार कार्यवाही की मांग कर रही हैं ऐसा बताया जा रहा है और इसी क्रम में जांच संस्थित की गई जिसके बाद सीएमओ के कारनामे उजागर हुए। अध्यक्ष भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर बताई जा रही हैं क्योंकि सीएमओ के भ्रष्टाचार के आरोप उनके ऊपर विपक्ष द्वारा लगाया जाता है जो झूठा आरोप है ऐसा जांच की रिपोर्ट से उजागर होता है जो अध्यक्ष की शिकायत पर हुई जांच है।

विपक्ष मौन,नेता प्रतिपक्ष की प्रतिक्रिया भ्रष्टाचार को लेकर कुछ नहीं...क्या यह केवल इसलिए क्योंकि अध्यक्ष पर आरोप लगाना हो आसान?- पटना नगर पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर सत्य है,यह सीएमओ द्वारा नगर गठन उपरांत से जारी भ्रष्टाचार है जिसमें कुछ दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, फर्म सीएमओ का साथ दे रहे हैं जो उसके सहयोगी हैं,यह विषय जानते हुए भी नगर सरकार में विपक्ष की भूमिका निभा रहा विपक्ष मौन है,नेता प्रतिपक्ष का विरोध गायब है और पार्षदों का भी अधिकांश कोई विचार सामने नहीं आया है, क्या ऐसा केवल इसलिए है क्योंकि अध्यक्ष की बदनामी भ्रष्टाचार की वह कर सकें और भले ही नगर एक सीएमओ लूटता रहें,नगर विकास का जिम्मा सभी का है और उसके विकास की जिम्मेदारी सभी की है लेकिन जो विपक्ष पटना का है वह समझ से परे है क्योंकि वह अध्यक्ष की आलोचनाओं से अधिक अपनी जिम्मेदारी नहीं मानता नजर आता,विपक्ष को अध्यक्ष मात्र का ही विरोध अपनी जिम्मेदारी नहीं माननी चाहिए उसे भ्रष्टाचार पर भी हमलवार होना चाहिए जिसमें पटना का विपक्ष शामिल नजर नहीं आता।

सीएमओ के भ्रष्टाचार में शामिल खुद सीएमओ,दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों सहित फर्मों पर कार्यवाही का है अब इंतजार- सीएमओ का भ्रष्टाचार उजागर हो चुका है,इस भ्रष्टाचार में खुद सीएमओ,दैनिक वेतनभोगी कुछ कर्मचारी और कुछ फर्म शामिल हैं जो नगर पटना को खोखला कर रहे हैं,अब इंतजार है कि सभी पर कब कार्यवाही होगी, क्या सीएमओ पर निलंबन की कार्यवाही की जाएगी,क्या फर्म ब्लैकलिस्ट होंगे,क्या दैनिक वेतन भोगी निकाले जाएंगे यह देखने वाली बात होगी।वैसे मामला अपराधिक है क्या पुलिस प्राथमिकी अध्यक्ष दर्ज करवाएंगी।

दीपावली से पहले एक्शन में कलेक्टर एस.जयवर्धन,पहचान छुपाकर किया शहर का जायजा

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

दीपावली जैसे बड़े त्योहार से पहले, जब हर कोई खरीदारी और तैयारियों में व्यस्त था, तब सूरजपुर जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कुछ अलग और सराहनीय किया, बीती रात वह एक आम नागरिक की तरह शहर की सड़कों पर निकले, हेलमेट पहनकर बाइक पर सवार कलेक्टर ने पहचान छुपाकर शहर का जायज़ा लिया, जिसने सभी को हैरान कर दिया, कलेक्टर ने सबसे पहले जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, उन्होंने वहां मौजूद मरीजों से बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनी और

इलाज की स्थिति को परखा दीपावली पर अक्सर जलने के मामलों में बढ़ोतरी होती है, इसलिए उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ को पहले से सतर्क रहने के निर्देश दिए,, इसके बाद कलेक्टर हाई स्कूल ग्राउंड में लगे पटाखा बाजार पहुंचे, यहाँ उन्होंने सुरक्षा के इंतज़ामों को खुद परखा,,दुकानों में आग से सुरक्षा के इंतज़ाम, अग्निशमन यंत्र, ट्रैफिक व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के उपायों का गंभीरता

से निरीक्षण किया। कलेक्टर की यह चुपचाप और बेबाक जांच प्रशासन की तत्परता को दर्शाती है, जैसे ही अधिकारियों और दुकानदारों को इस गुप्त निरीक्षण की जानकारी मिली, स्वास्थ्य विभाग, पुलिसकर्मी और पटाखा व्यापारी तुरंत सतर्क हो गए, दीपावली जैसे व्यस्त समय में कलेक्टर का यह अंदाज़ सभी के लिए एक स्पष्ट संदेश था त्योहार चाहे कोई भी हो, आम जनता की सुरक्षा और

सुविधा से कोई समझौता नहीं होगा,, इस पहल ने यह भी साबित कर दिया कि प्रशासन सिर्फ दफ्तरों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी सक्रिय है,,कलेक्टर जयवर्धन की यह पहल जनता में भरोसा बढ़ाने वाली है और प्रशासनिक सिस्टम को और मजबूत बनाती है, दीपावली पर उनकी यह चुपचाप निगरानी जनता के हित में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है।

अमृत काल में मूलभूत सुविधाओं का मोहताज बना ग्राम रेवला

पिछली सरकार में लगा बीएसएनएल टावर पर अभी तक चालू नहीं

- क्या संभाग का पहला स्कूल विहीन ग्राम है रेवला? बच्चे हैं पर स्कूल नही,
- सड़क,बिजली,स्वच्छ पानी का पूर्णतः अभाव,नाले के पानी से बुझ रही प्यास
- शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से कोसो दूर है ग्राम रेवला

- अंधेरे में बिताते हैं रात,गांव में सौर ऊर्जा प्लांट भी नही, 5 साल पहले मिला होम लाइट भी खराब
- तबियत खराब होने पर खाट में कंधे के सहारे लाते हैं मुख्य सड़क तक...
- ग्रामीणों की एक ही मांग सड़क बनवा दे सरकार,रेवला के ग्रामीणों ने घटती-घटना को बताई गांव की समस्याएं

ग्राम रेवला की सड़क

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,19 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। हर साल छत्तीसगढ़ विकास की सीढ़ियां चढ़ रहा है, लेकिन प्रदेश के कोरिया जिले का एक गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। डिजिटलीकरण और विकास के इस दौर में भी सोनहत तहसील के रेवला गांव में ग्रामीणों के जीवन में विकास की रौशनी अब तक नहीं पहुंच सकी है, यहां 50 से अधिक लोग निवासरत हैं, जिन्हें अब तक बिजली, सड़क और पीने को शुद्ध पानी तक नहीं मिल सका, विकास का ढोल पीटने वाले जनप्रतिनिधि और प्रशासन भी ग्रामीणों की कोई मदद नहीं कर सके, कई बार शासन-प्रशासन से गुहार लगाने के बाद भी गांव में समस्या जस की तस बनी हुई है। आज हम आपको बताने जा रहे है एक ऐसे गांव के बारे में जो गुरुघासीदास राष्ट्रीय उद्यान के सघन जंगलों के बीच चारो तरफ पहाड़ों के बीच खाई में बसा हुआ है। इस गांव को रेवला के नाम से जाना जाता है। यहां पर पंडो एवं चे रवा जनजाति के परिवार निवास करते हैं। यह गांव काफी लंबे समय से यहां बसा हुआ है मूल भूत सुविधाओ से कोसो दूर बसे इस गांव के लोग विकास की परिभाषा नही जानते और बगैर सड़क बिजली पानी के बिना किसी संसाधन के यहां रहने मजबूर है। इस गांव का रास्ता इतना भयावह है कि यहां कोई चार पहिया वाहन नही जा सकता यहां जाने के लिए आपको पैदल ही जाना होगा यदि आप बाइक में भी जाने की सोच रहे है तो पगडंडियों के सहारे बहुत सावधानी बरतें हुए आपको यहां पहुचना पड़ेगा।

गांव में स्थापित आंगन बॉडी केंद्र

रेवला में बच्चे हैं पर नही है कोई भी स्कूल

रेवला के ग्रामीणों ने घटती-घटना से अपनी समस्या बताते हुए कहा कि रेवला गांव में स्कूली बच्चो की संख्या 15 के आसपास है बावजूद इसके यहां कोई भी स्कुल नही है जबकि सोनहत विकासखण्ड में कई स्कूल ऐसे हैं जिनमे दर्ज संख्या 10 या उससे भी कम है लेकिन इस गांव में स्कुल नही होने से यहां के लोग शिक्षा व्यवस्था का लाभ सही ढंग से नही ले पा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यहां से सबसे नजदीकी प्राथमिक शाला मेण्ड्रा गांव में है जिसकी दूरी 20 किलोमीटर है जबकि पँचायत मुख्यालय कछाड़ी है जिसकी दूरी लगभग 35 किलोमीटर यहां के बच्चे मेण्ड्रा ,सोनहत और तेलीमुड़ा के आश्रम शालाओं में पढ़ते हैं, ग्रामीण अभिभावकों ने बताया कि बच्चो से मिलने जाने और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारी मशक्कत होती है ऐसे में यदि गांव में ही स्कूल हो जाता तो काफी राहत होती है।

स्वस्थ्य सुविधाओ की बड़ी परेशानी

रेवला में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर बड़ी परेशानी है ग्रामीणों ने बताया कि तबियत खराब हो जाने पर बहुत ज्यादा परेशानी हो जाती है। एम्बुलेंस गांव तक पहुचती नही और ग्रामीणों के पास कोई साधन नहीं ऐसे में इलाज कराना बेहद कठिन हो जाता है। ग्रामीण बताते है कि तबियत खराब होने या फिर महिलाओं को प्रसव के समय खाट पर कंधे के सहारे भीषण चढ़ाई चढ़ मुख्य सड़क तक लेकर जाते हैं इसके बाद एम्बुलेंस या फिर अन्य संसाधनों से अस्पताल तक पहुचाया जाता है। हालांकि ग्रामीण महिलाओ ने बताया कि यहां स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने स्वस्थ्य कार्यकर्ता आते हैं चिरायु की टीम भी आयी है जो आंगन बाड़ी के बच्चो को दवाई वगैरह दिए थे लेकिन इनके अलावा कोई भी अन्य विभाग का अधिकारी कर्मचारी यहां लोगो की सुध लेने नही आते जिससे किसी भी योजनाओं का लाभ नही मिल पाता है।

रेवला गांव में लगा मोबाइल टावर

धान उगाते हैं पर बेंच नही पाते

ग्रामीणों ने बताया उनके आय का मुख्य साधन कृषि और पशुपालन है ग्रामीणों ने बताया कि वो धान उगाते हैं पर बेच नही पाते, भूमि का राजस्व पट्टा भी है लेकिन सड़क इतनी खराब है कि धान लेकर सहकारी समिति तक जाना सम्भव नही है। किसी भी ग्रामीण के पास के सीसी नही है न ही किसान का पंजीयन किसानों को इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी नही है इस कारण इन्हें उचित मूल्य पर सहकारी समिति से खाद व बीज भी नही मिल पाता है, ग्रामीण बताते है कि पटवारी साहब साल में एक बार गिरदावरी के समय आते है और कभी कभार जंगल विभाग के बीट गार्ड इनके अलावा न तो यहां कोई अधिकारी कर्मचारी आते और न ही कोई जनप्रतिनिधि।

गांव में सौर ऊर्जा का प्लांट भी नही,होम लाइट भी खराब

सोनहत क्षेत्र के अधिकांश विद्युत विहीन ग्रामो में सौर का प्लांट लगा है लेकिन रेवला गांव इससे भी अछूता रह गया यहां रात्रि के समय भारी समस्या हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में सौर ऊर्जा प्लांट नही है, 5 साल पहले क्रेडा विभाग के माध्यम से होम लाइट दिया गया था जो अब खराब हो गया है जिसके बाद अब रोशनी का कोई विकल्प नहीं बचा है, टॉर्च और दिया बाती से किसी प्रकार गुजरा करते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि हमारे ग्राम में सौर ऊर्जा प्लांट लग जाता तो काफी राहत हो जाती।

जल जीवन मिशन के नाम पर छलावा,नाले का पानी पीना मजबूरी

रेवला में जल जीवन मिशन के तहत पानी देने की योजना भी हवाई फायर की तरह निकली ग्रामीणों ने बताया कि साल भर पहले पाइप लाइन लगाई गई लेकिन न टँकी बनी न ट्यूब बेल खोदा गया तो पानी कहाँ से मिलेगा, इसके बाद कोई देखने भी नही आया, ऐसी स्थिति में शिकायत करें भी तो किस्से , फिलहाल पेय जल की कोई व्यवस्था नही है नाले का गंदा पानी पीना मजबूरी है क्योंकि गांव एक अदद हैंड पंप तक नही है इस कारण प्राकृतिक संसाधनों पर ही जीवन का गुजर बसर चल रहा है।

कोरिया जन सहयोग समिति सड़क व पानी के लिए उठाएगी आवाज-पुष्पेंद्र

घटती-घटना की टीम जब रेवला पहुची तो कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र राजवाड़े और सदस्य बालकरन,मोहन प्रसाद भी वहां पहुचे थे, समिति के अध्यक्ष ने रेवला वासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी और गांव के बच्चो को मिठाईयां और फुलझड़ी भी जलाने को दिया। पुष्पेंद्र राजवाड़े ने बताया कि रेवला की भगौलिक परिस्थिति बहुत विषम है इस कारण यहां की स्थिति काफी खराब है उन्होंने कहा कि रेवला के बच्चो को गांव में ही प्राथमिक स्तर की शिक्षा मिले इसके लिए वो शासन प्रशासन से मांग करेंगे, जब खण्ड स्तर और 10 से कम दर्ज संख्या के कई स्कूल है तो रेवला के 15 बच्चो के लिए स्कूल क्यों नही खोला जा सकता, उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति ठीक करने जिला प्रशासन व पार्क परिक्षेत्र कार्यालय में मांग किया जाएगा ताकि ग्रामीणों का आवागमन ठीक हो सके।

झिरिया का पानी पीता ग्रामीण

रेवला गांव और खेती किसानी का कार्य करते ग्रामीण

रेवला के बच्चो के साथ घटती-घटना संवाददाता

पिछली सरकार में लगा मोबाइल टावर चालू नही...

ग्रामीणों ने बताया कि पिछली सरकार के समय ही रेवला में बी एस एन एल मोबाइल टावर का कार्य शुरू हुआ था, कार्य पूर्ण भी हुआ पर काफी दिन हो गए अभी तक चालू नही हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि टावर से मशीन चलने की आवाज आती है पर मोबाइल में सिग्नल नही आता यदि मोबाइल टावर भी चालू हो गया तो लोग कम से कम संचार सेवा से जुड़ जाएंगे।

दुर्गा बाड़ी में सजे भव्य व आकर्षक पंडाल में आज होगा माँ काली पूजन का आयोजन

21 को महाआरती,भंडारा व भगवती जागरण एवं गरबा महोत्सव,माँ काली पूजा समिति के द्वारा की जा रही आयोजन की भव्य तैयारियां

-संवाददाता-

सूरजपुर,19 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक श्री श्री माँ काली पूजा समिति के द्वारा 20 अक्टूबर सोमवार से माँ काली की पूजा का आयोजन किया गया है। नगर के भैयाथान रोड अग्रसेन भवन के सामने स्थित दुर्गा बाड़ी में आयोजित उक्त भव्य धार्मिक आयोजन की तैयारियों को लेकर भव्य व आकर्षक पंडाल का निर्माण समिति के द्वारा कराया गया है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 20 अक्टूबर सोमवार को माँ काली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। दोपहर 3 बजे कलश स्थापना, शिव तांडव, चंडीपाठ के साथ माँ काली की पूजा प्रारम्भ होगी। प्रातः 3 बजे दीपदान एवं बलिदान, प्रातः 4 बजे पुष्पांजलि ततपश्चात माता रानी को महाभोग और हवन एवं आरती के बाद पूजा का समापन होगा। 21 अक्टूबर मंगलवार को सायं 7 बजे महाआरती के बाद कन्या पूजन, महाभण्डारा एवं माता को चुनरी भेंट की जाएगी। साथ ही आकर्षक झांकियों की प्रस्तुति के साथ भगवती जागरण तथा बच्चियों एवं महिलाओं के लिए गरबा महोत्सव का आयोजन होगा। जिसमे लव मी इंडिया किड्स फेम स्तुति जयसवाल के साथ रिजेश जयसवाल, शुभम गुप्ता, अंजली गंगवाल, जबलपुर मध्यप्रदेश के झांकी कलाकार सचिन साँवरे व साथी सहित अन्य बाहर से आमंत्रित कलाकरों के द्वारा भजनो की प्रस्तुति दी जाएगी। 22 अक्टूबर को सिंदूर दान के साथ माँ काली को विदाई दी जाएगी। जिसके बाद शहर में आकर्षक झांकियो की प्रस्तुति के साथ भव्य शोभायात्रा निकालकर माँ काली की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। उक्त भव्य आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने समिति के सदस्य सक्रिय है। बीते 16 वर्षो से शहर में समिति के द्वारा माँ काली जी की पूजन का भव्य आयोजन पूरे उत्साह के साथ किया जाता है। जिसमे शहर के साथ आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में माता भक्त शामिल होते है। छोटे स्वरूप से प्रारम्भ यह आयोजन अब शहर में भव्य रूप से मनाया जाता है।

CMYK

सनी देओल ने करियर के लिए छिपाई शादी

शाहरुख से 16 साल नहीं की बात,गदर 2 ने कमाए 525 करोड़,2026 में आएंगी 3 फिल्में

सनी देओल... ये वो नाम है, जिन्होंने न सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग, बल्कि जबरदस्त डायलॉग डिलीवरी के जरिए लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाई। भले ही उनके पिता धर्मेंद्र फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता रहे हैं, लेकिन सनी ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर खुद की अलग पहचान बनाई। अपने करियर में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए, जो हमेशा चर्चा में रहे। चाहे वह गुपचुप शादी करना हो, अपने वैवाहिक जीवन को लंबे समय तक सार्वजनिक न करना या फिर बॉलीवुड से नजरअंदाज किए जाने के बाद खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू करना।

14 साल की उम्र में की सगाई,फिर छिपाई शादी

सनी देओल की पर्सनल लाइफ हमेशा से ही चर्चा में रही खासकर उनकी शादी। महज 14 साल की उम्र में ही सनी देओल की सगाई पूजा से हो गई थी। हालांकि, जब पूजा के पिता को यह पता चला कि सनी फिल्मों में काम करने वाले हैं, तो उन्हें यह चिंता सताने लगी कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद सनी उनकी बेटी को छोड़ सकते हैं। ऐसे में उन्होंने सनी के पिता और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र पर दोनों की जल्द शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। धर्मेंद्र लगातार पूजा के पिता को यह समझाते रहे कि वह फिल्म बेताब की रिलीज तक इंतजार करें, उसके बाद वह सनी और पूजा की शादी करवा देंगे। 1983 में सनी की डेब्यू फिल्म बेताब रिलीज हुई और वह रातों-रात स्टार बन गए। इसके ठीक एक साल बाद 1984 में 26 साल की उम्र में एक्टर ने पूजा से शादी कर ली। हालांकि, कई जगह ऐसे भी दावे हैं कि दोनों की शादी सनी के डेब्यू से दो साल पहली ही हो चुकी थी। फिर सनी ने अपने फिल्मी करियर को ध्यान में रखते हुए अपनी शादी को लंबे समय तक छिपाए रखा। उनका मानना था कि अगर लोगों को पता चल गया कि वह शादीशुदा हैं तो इसका असर उनके रोमांटिक हीरो की छवि पर पड़ेगा और उनके करियर को नुकसान हो सकता है। शादी के शुरुआती कुछ सालों तक पूजा लंदन में ही रहीं। उस दौरान सनी चोरी-छिपे लंदन जाकर उनसे मिलते थे। बाद में जब मीडिया में सनी और पूजा की शादी की खबरें आने लगीं तो सनी ने इन खबरों से इनकार कर दिया था। लेकिन आखिरकार 1984 में दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आ ही गईं, जिससे यह सच पूरी दुनिया के सामने आ गया।

फिल्म मशाल हुई ऑफर,पिता के कहने पर छोड़ा

सनी देओल ने 1983 में फिल्म बेताब से बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली। फिल्म की सफलता के बाद उन्हें कई बड़े ऑफर्स मिलने लगे। उन्हीं में से एक था यश चोपड़ा की फिल्म मशाल। इस फिल्म में सनी देओल को दिलीप कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करना था। ट्रेड मैगजीन और अखबारों में बाकायदा घोषणा भी हो चुकी थी कि सनी देओल इस फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्म इंडस्ट्री के लिहाज से यह उनके करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही थी, क्योंकि यश चोपड़ा जैसे नामी निर्देशक और दिलीप कुमार जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिलना हर नए कलाकार का सपना होता है। लेकिन तभी उनके पिता धर्मेंद्र ने उन्हें एक सलाह दी। धर्मेंद्र को लगा कि सनी का करियर अभी शुरुआत में है और उन्हें पहले खुद को एक सोलो हीरो के तौर पर स्थापित करना चाहिए। उनका मानना था कि उस वक्त दिलीप कुमार जैसे दिग्गज के साथ स्क्रीन शेयर करना जल्दबाजी हो सकती है और इससे सनी की खुद की पहचान कमजोर पड़ सकती है। पिता की सलाह को पर सनी ने मशाल छोड़ दी। बाद में यह रोल अनिल कपूर को मिला और फिल्म 1984 में रिलीज हुई। मशाल की कहानी और गाने पसंद किए गए, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म खास कमाल नहीं दिखा सकी। उस दौर के हिसाब से इसे एक बड़ी फ्लॉप माना गया।

सालों तक नहीं की थी शाहरुख से बात, वाईआरएफ से भी बनाई दूरी

सनी देओल अपने करियर के पीक पर थे, जब उन्हें यश चोपड़ा की फिल्म 'डर' ऑफर हुई। इस फिल्म में वह लीड हीरो थे, जबकि शाहरुख खान विलेन की भूमिका में थे। उस वक्त शाहरुख बॉलीवुड में नए थे और सनी देओल की पॉपुलैरिटी अपने चरम पर थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान धीरे-धीरे सनी को यह अहसास होने लगा कि कहानी में विलेन का रोल कहीं ज़्यादा प्रभावशाली और लंबा है। उन्हें यह भी महसूस हुआ कि दर्शकों की सहानुभूति भी कहीं न कहीं शाहरुख के किरदार की तरफ जा रही है। फिल्म में एक सीन था, जिसमें शाहरुख का किरदार सनी देओल के किरदार को चाकू मारता है। सनी इस सीन से असहज थे। उनका मानना था कि वे फिल्म में एक ट्रेन्ड कमांडो का रोल निभा रहे हैं और ऐसा किरदार इतनी आसानी से चाकू से मारा नहीं जा सकता।उन्होंने डायरेक्टर यश चोपड़ा से सीन में बदलाव की बात की, लेकिन यश जी इसके लिए तैयार नहीं हुए। बात इतनी बढ़ गई कि सनी गुस्से में अपना आपा खो बैठे। कहा जाता है कि उस वक्त उनका हाथ पैंट की जेब में था और गुस्से के दौरान उन्होंने इतनी जोर से मुट्ठी बांधी कि उनकी जेब फट गई।सनी को यह भी खल रहा था कि फिल्म में लीड हीरो होने के बावजूद, सारी लाइमलाइट और तालियां शाहरुख के हिस्से में जा रही थीं। फिल्म 'डर' की रिलीज के बाद दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। सनी ने लगभग 16 सालों तक शाहरुख से कोई बात नहीं की और यहां तक कि यशराज फिल्म्स के साथ भी फिर कभी काम नहीं किया। हालांकि, साल 2023 में फिल्म 'गदर 2' की सक्सेस पार्टी के दौरान यह पुरानी दूरियां मिटती दिखीं। पार्टी में सनी देओल और शाहरुख खान एक-दूसरे से गले मिलते नजर आए।

डिंपल से बढ़ीं नजदीकियां,घर छोड़ने वाली थीं पत्नी पूजा

सनी और डिंपल कपाड़िया ने मंजिल-मंजिल, अर्जुन, आग का गोला, नरसिम्हा और गुनाह जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया। मंजिल-मंजिल (1984) की शूटिंग के दौरान सनी की डिंपल से नजदीकियां बढ़ीं। बताया जाता है कि जब डिंपल कपाड़िया और राजेश खन्ना अलग हो चुके थे, उसी वक्त सनी देओल और डिंपल एक-दूसरे के करीब आए। पिंकविला के मुताबिक, सनी अक्सर डिंपल के घर जाया करते थे और उनकी दोनों बेटियां ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना उन्हें छोटे पापा कहकर बुलाने लगी थीं। दोनों 11 साल तक रिलेशन में रहे और लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे। इस दौरान सनी की पत्नी पूजा मुंबई में ही थीं, लेकिन सनी ज्यादातर समय डिंपल के साथ बिताते थे। हालांकि, जब यह खबर सनी की पत्नी पूजा तक पहुंची, तो उन्होंने सनी से साफ कहा कि अगर उन्होंने डिंपल से दूरी नहीं बनाई, तो वह उन्हें और घर को छोड़ देंगी। इसके बाद सनी और डिंपल ने अलग होने का फैसला लिया। हालांकि, उनके रिश्ते की खबरें पूरी तरह थमी नहीं। साल 2017 में सनी देओल और डिंपल कपाड़िया की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें दोनों मोनाको, यूरोप में एक बस स्टॉप पर हाथ थामे बैठे नजर आए थे।

गुटबाजी का शिकार हुए थे,शुरू किया प्रोडक्शन हाउस

सनी देओल की जिंदगी में एक दौर ऐसा भी आया जब उनकी कोई भी फिल्में नहीं चल रही थीं। यहां तक कि बॉलीवुड में भी उन्हें इग्नोर किया जाने लगा। उनके पास कोई प्रोजेक्ट्स नहीं थे। जूम के साथ बातचीत में सनी देओल ने कहा, जब मैं ऐसी बातें सुनता था और फिल्में देखता था, तो मुझे दिखता था कि कुछ एक्टर्स मेरे काम और मेरे स्टाइल की नकल कर रहे हैं और उसी से आगे बढ़ रहे हैं। इससे उन्हें क्या खुशी मिली? मैंने पूरी ईमानदारी से काम किया है और कभी यह नहीं सोचा कि इस फिल्म में ये सीन है, तो चलो इसे कॉपी करते हैं। मैं हमेशा इस सोच के खिलाफ रहा हूं कि किसी दूसरी फिल्म से सीधे कॉपी किया जाए और मैंने ऐसे सुझावों को साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में गुटबाजी चलती है। कैंप बने हुए हैं। ऐसे में हमने अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और अपनी फिल्में बनानी शुरू कीं। इसी कारण हमने बॉबी देओल, अभय देओल और अन्य नए एक्टर्स को भी अपनी कंपनी के जरिए लॉन्च किया। सनी देओल ने स्वीकार किया कि उन्होंने बतौर प्रोड्यूसर बहुत नुकसान झेला है। बता दें, सनी देओल की डेब्यू फिल्म 'बेताब' उनके अपने प्रोडक्शन हाउस विजयता फिल्म्स प्रा. लि. के बैनर तले बनी थी।

शादी की खबर सुनकर अमृता ने तोड़ा था सनी से रिश्ता

फिल्म बेताब सिर्फ सनी की ही नहीं बल्कि अमृता सिंह की भी डेब्यू फिल्म थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान अमृता सनी को पसंद करने लगी थीं। अमृता को लगता था कि सनी उनके लाइफ एकदम सही लाइफ पार्टनर होंगे, लेकिन सनी इसके लिए तैयार नहीं थे। हालांकि, जैसे ही अमृता को जब सनी और पूजा की शादी के बारे में पता चला तो उन्होंने खुद ही इस रिश्ते को तोड़ दिया। इसके बाद अमृता की लाइफ में सैफ अली खान की एंट्री हुई। सैफ और अमृता ने साल 1991 में शादी की थी। कपल के दो बच्चे भी हुए, लेकिन फिर दोनों का तलाक हो गया।

गदर 2 से किया दमदार वापसी

सनी देओल की गदर 2 उनके करियर की सबसे सफल फिल्म है। उन्होंने इस फिल्म से शानदार कमबैक किया। हालांकि, फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा इसे सनी का कमबैक नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि गदर 2 से सनी देओल का कमबैक हुआ। मैं इस बात को नहीं मानता। वो तो कभी गए ही नहीं थे, तो कमबैक कहां से होगा।' बता दें, फिल्म ने 525 करोड़ का कलेक्शन किया था।

प्रोड्यूसर ने लगाया करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप

प्रोड्यूसर सौरव गुप्ता ने सनी देओल पर करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप भी लगाया। संवाददाता से बातचीत के दौरान रियल स्टेट डेवलपर से प्रोड्यूसर बने सौरव गुप्ता ने बताया था कि उन्होंने 2016 में सनी देओल को एक फिल्म के लिए साइन किया था। उन्होंने फिल्म के लिए एक करोड़ रुपए एडवांस में लिए थे, लेकिन हमारी फिल्म शुरू करने की जगह उसने पोस्टर ब्वॉयज (2017) की शूटिंग शुरू कर दी। वो लगातार हमसे और पैसे मांगता रहा और इस तरह हमने उसे 2.55 करोड़ रुपए दे दिए। उसके कहने पर ही मैंने डायरेक्टर को पैसे दिए, फिल्मिस्तान स्टूडियो बुक किया और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हायर किया। 2023 में सनी देओल ने उनकी कंपनी के साथ एक फर्जी समझौता किया था। जब उन्होंने वो एग्रीमेंट देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि कॉन्ट्रैक्ट में मेंशन किया हुआ अमाउंट बदला जा चुका है। 4 करोड़ की जगह उसमें 8 करोड़ फीस लिखी हुई थी, जबकि प्रॉफिट अमाउंट 2 करोड़ कर दिया गया था। इस मामले में सौरव गुप्ता को डायरेक्टर सुनील दर्शन का सपोर्ट मिला था। अंदाज, जानवर जैसी फिल्में डायरेक्टर कर चुके सुनील दर्शन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सौरव गुप्ता का सपोर्ट करते हुए कहा था, सनी देओल ने मेरी फिल्म अजय (1996) के ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स खरीदे।

थामा की एडवांस बुकिंग से निर्माता मालामाल

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के ओपनिंग डे कलेक्शन पर हर किसी की नजर है। निर्माताओं ने रिलीज से पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी थी, जिसके तहत थामा ने हुंकार भरते हुए पहले ही दिन ताबड़तोड़ टिकटें बेच दी हैं। दूसरी तरफ एक दीवाने की दीवानियत की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है।

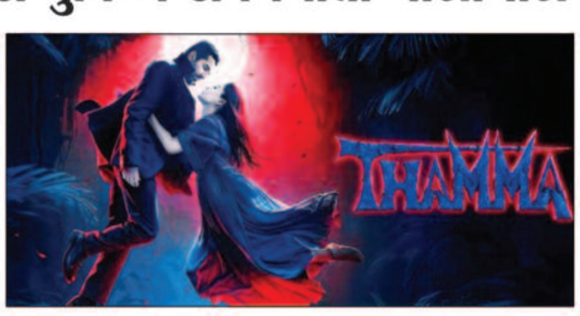

थामा ने एडवांस बुकिंग में दिखाया दम

थामा की एडवांस बुकिंग 17 अक्टूबर से शुरू कर दी गई थी। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अब तक 59, 000 हजार रुपये से ज्यादा टिकटों की बिक्री कर ली है। रिलीज से पहले आयुष्मान और रश्मिका की फिल्म ने 1.68 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। वहीं, ब्लॉक सीट के साथ फिल्म ने कुल 5.12 करोड़ कमा लिए हैं। थामा की एडवांस बुकिंग से साफ है कि ये फिल्म ओपनिंग डे पर डबल डिजिट में कमाई करेगी।

एक दीवाने की दीवानियत की एडवांस बुकिंग

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की फिल्म एक दीवाने की दीवानियत भी 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म की एडवांस बुकिंग रिपोर्ट के ताजा आंकड़े आ गए हैं, जो थामा के मुकाबले काफी कम हैं। एक दीवाने की दीवानियत ने अब तक कुल 1,8570 टिकटों की बिक्री की है। इस तरह फिल्म ने रिलीज से पहले 54 .14 लाख रुपये कमा लिए हैं, जबकि ब्लॉक सीट के साथ इसने 1 .53 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

भारत में सबसे तेज 500 करोड़ कमाने वाली फिल्में

ऋषभ शेट्टी की पैन इंडिया फिल्म कांतारा चैप्टर 1 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ रही है। कांतारा चैप्टर 1 500 करोड़ क्लब में भी शामिल हो गई है और ये जादुई आंकड़ा इसने अपनी रिलीज के 17 वें दिन पार किया है। इसी बीच आज हम आपको उन भारतीय फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा सबसे तेज पार किया।

बॉक्स ऑफिस का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, इस सूची में पहला नाम पुष्पा 2: द रूल का है, जिसने आते ही टिकट खिड़की पर गदर मचा दिया था। भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड हासिल करने वाली इस फिल्म ने 11वें दिन में 500 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई थी। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है।

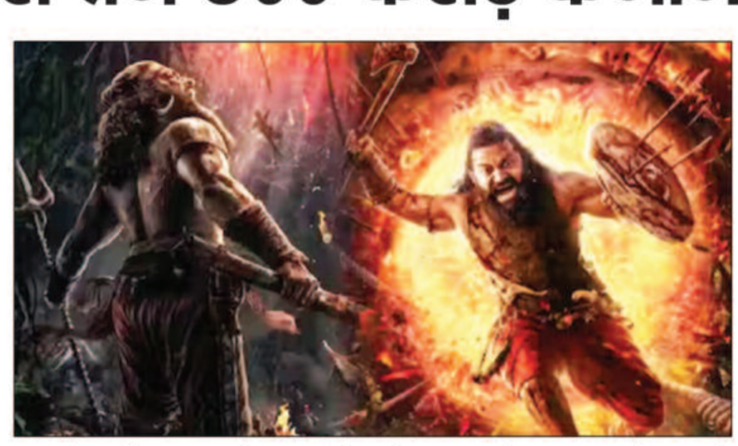

कांतारा चैप्टर 1 : पहले इस सूची में दूसरे पायदान पर शाहरुख खान की ब्लाकबस्टर फिल्म जवान शामिल थी, लेकिन अब ये खिसककर नीचे यानी तीसरे स्थान पर आ गई है। दरअसल, कन्नड़ सिनेमा से निकली कांतारा चैप्टर 1 ने 17 दिन में ये आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने जवान का खेल बिगाड़ दिया है। फिल्म ने 17वें दिन 12.50 करोड़ रुपये कमाए और इसी के साथ भारत में इसकी कमाई 506.25 करोड़ रुपये हो गई है।

जवान : शाहरुख खान की जवान ने 18वें दिन भारतीस बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ी क्लब में एंट्री ली थी। फिल्म ने 18 दिन में 505.94 करोड़ रुपये कमाए थे। एटली के निर्देशन में बनी ये पहली हिंदी फिल्म थी, वहीं नयनतारा ने भी इसके जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था। जवान में शाहरुख ने डबल रोल किया था और उन्हें इसमें अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अपने करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला था। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर है।

स्त्री 2 और छावा

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की ब्लॉकस्टर फिल्म स्त्री 2 ने 503.25 करोड़ रुपये कमाने में 22 दिन लिए थे। दिनेश विजान के हॉरर यूनिवर्स का हिस्सा थी, जो अब थामा लेकर आ रहे हैं। ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर है। दूसरी ओर नेटफ्लिक्स पर मौजूद भारत में सबसे तेज 500 करोड़ रुपये कमाने वाली भारतीय फिल्मों में छावा पांवचे पायदान पर है। ये 23वें दिन भारत में 500 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई थी।

खेल समाचार

पहला वनडे : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया

पर्थ,19 अक्टूबर 2025। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से हार गई है। बारिश से प्रभावित मैच को जीतने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने बारिश के कारण तय किए गए 26 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। केएल राहुल ने 38 और अक्षर पटेल ने 31 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 21.2 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रन बनाए। जोश फिलिप ने 37 रन की पारी खेली। मैच का स्कोरबोर्ड

फ्लॉप हुए रोहित, विराट, गिल और अय्यर : भारत के टॉप ऑर्डर के 4 बैटर इस मैच में खास प्रदर्शन नहीं कर सके। रोहित शर्मा 10, विराट कोहली शून्य और कप्तान शुभमन गिल 10 रन बनाकर पावरप्ले के अंदर ही पवेलियन लौट गए। नंबर-4 पर उतरे श्रेयस अय्यर भी 11 रन ही बना सके।

भारतीय पारी में 4 बार रोकना पड़ा खेल : टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी भारतीय पारी में रुक-रुककर बारिश होती रही। इस वजह से 4 बार मुकाबले को रोकना पड़ा। पहली बार मैच 9वें ओवर में रोका गया था। तब तक कप्तान गिल, कोहली और रोहित पवेलियन लौट गए थे।दोबारा खेल शुरू होने पर श्रेयस अय्यर भी पवेलियन लौट गए। जोश हेजलवुड ने विकेटकीपर जोश फिलिप के हाथों कैच कराया।

डीएलएस मैथड के कारण भारत के 6 रन कम हुए : रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मैच के ओवर्स में कटौती की गई और भारतीय टीम 26 ओवर में 136 रन ही बना सकी। डीएलएस मैथड के कारण ऑस्ट्रेलिया को 131 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। यानी कि बारिश के कारण भारतीय पारी के 6 रन कम हो गए।

मिचेल मार्श की पारी से आसान हुआ रन चेज : 131 रन के संशोधित लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 10 रन पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां ट्रैविस हेड 8 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अर्शदीप सिंह ने पवेलियन भेजा।

यहां से कप्तान मिचेल मार्श ने मैथ्यू शॉर्ट (8 रन) के साथ 34, जोश फिलिप (37 रन) के साथ 55 रन और मैट रेनशॉ के साथ नाबाद 32 रन की पारी साझेदारी करके अपनी टीम को जीत दिलाई। मिचेल मार्श 46 रन बनाकर नाबाद लौटे। मार्श की इसी पारी से ऑस्ट्रेलिया का रन चेज आसान हो गया। मार्श को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

सीरीज के बीच में स्पिनर नासुम अहमद हुई टीम में एंट्री 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था आखिरी वनडे

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2025। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के बीच बाएं हाथ के स्पिनर नासुम अहमद को टीम में शामिल किया है। शनिवार को ढाका के शेर-ए-बांग्लादेश नेशनल स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में लो और स्लो पिच पर दोनों टीमों के स्पिनर्स ने प्रभावी भूमिका निभाई थी। शायद यही वजह रही कि मेजबान टीम में नासुम अहमद को शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में 19 रन देकर 1 विकेट लिया, जबकि ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए थे। वहीं, बांग्लादेशी स्पिनर रिशाद हुसैन और तनवीर इस्लाम ने मिलकर 7 विकेट हासिल किए थे। 30 वर्षीय नासुम अहमद बांग्लादेश की ओर से 18 वनडे मुकाबलों में 4.48 की इकॉनमी से 16 विकेट हासिल कर चुके हैं। उन्होंने अपना पिछला वनडे मैच दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 21 अक्टूबर को खेला जाएगा, जिसके बाद सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 23 अक्टूबर को आयोजित होगा। इसके बाद तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 27 से 31 अक्टूबर के बीच चटगांव में खेली जानी है।

बांग्लादेश ने सीरीज के पहले मैच में तौहीद हृदोय (51) की अर्धशतकीय पारी के दम पर 207 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 39 ओवर में महज 133 रन पर सिमट गई। इस मुकाबले में रिशाद हुसैन ने 6 विकेट हासिल किए थे।

वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम : मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन तमीम, सौम्य सरकार, मोहम्मद सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम अंकोन, जेकर अली, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन साकिब, हसन महमूद और नासुम अहमद।

मुख्यमंत्री ने रौतिया समाज के सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण,ग्राम कण्डोरा में करमा अखरा निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की घोषणा

करमा महोत्सव हमारी प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक:सीएम साय

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री सोहरई करमा महोत्सव 2025 में हुए शामिल मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले में अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद, प्रांतीय शाखा छत्तीसगढ़ द्वारा ग्राम कण्डोरा में आयोजित महासम्मेलन (सोहरई करमा महोत्सव 2025) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कुनकुरी में 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित रौतिया समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया तथा ग्राम पंचायत कण्डोरा में 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले रौतिया भवन निर्माण का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज की मांग पर ग्राम कण्डोरा में करमा अखरा निर्माण के लिए 50 लाख रुपए तथा रायपुर में रौतिया भवन पहुँच मार्ग के लिए 25 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने मंच पर रौतिया समाज के वीर शहीद बख्तर साय और मुण्डल सिंह के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि करमा महोत्सव हमारी प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जिसे सभी समाज मिलजुलकर मनाते हैं। यह पर्व हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ प्रकृति के प्रति आदर और सम्मान का भाव भी सिखाता है। उन्होंने कहा कि एकादशी करमा, दशहरा करमा जैसी परंपराएँ हमारी संस्कृति में गहराई से रची-बसी हैं।

ये उत्सव समाज को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को तीव्र गति से लागू कर रही है। सरकार बनते ही पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए की सहायता दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रति मानक बोरा दर को 5500 रुपए कर दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित भारत की तर्ज पर वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने लोगों से वोकल फॉर लोकल अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की खरीद से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नक्सल उन्मूलन की दिशा में तीव्रता से कार्य कर रही है। दो दिन पूर्व ही 210 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना की जाएगी, जिससे स्थानीय युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान स्थित आमा बगीचा के करमा पूजन स्थल पर करम वृक्ष की डाली की पारंपरिक रीति से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने करमा नर्तक दल के साथ गले में मांदर टाँगकर ताल मिलाते हुए करम वृक्ष की डाली के चारों ओर उत्साहपूर्वक नृत्य किया।

इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवारजन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर सांसद श्री राधेश्याम राठिया, अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओ. पी. साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दामोदर सिंह, राष्ट्रीय महासचिव श्री आजाद सिंह, केंद्रीय संगठन मंत्री श्री भुनेश्वर केसर, केंद्रीय महिला सदस्य श्रीमती उमा देवी सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

सोहरई करमा महोत्सव: रौतिया समाज की सांस्कृतिक पहचान : साय

सोहरई करमा महोत्सव मूलतः रौतिया समाज द्वारा गोवर्धन पर्व के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला पारंपरिक पर्व है। इस दिन नए फसल को पूरे विधि-विधान से पूजा-पाठ कर घर लाया जाता है। ग्राम कण्डोरा में आयोजित इस भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से आए कुल 52 मंडलों के नर्तक दलों ने सहभागिता की। विविध लोक संस्कृतियों और पारंपरिक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उल्लास और उत्सव की भावना से सराबोर कर दिया।

फर्जी कंपनी बनाकर 6 करोड़ की ठगी

जशपुर में किसानों को बनाया निशाना,ब्याज का लालच देकर फंसाते थे,सक्ती और जांजगीर-चांपा से 2 गिरफ्तार

जशपुर,19 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने 6 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले दो मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक फर्जी ट्रेडिंग कंपनी बनाकर ग्रामीणों और किसानों को दैनिक ब्याज के लालच में फंसाते थे और उनकी जीवनभर की पूंजी हड़प लेते थे। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। इस मामले में पुलिस ने सक्ती के जैजपुर के रहने वाले हरिशरण देवांगन (52) और जांजगीर-चांपा के मुदुपर गांव में रहने वाले संतोष कुमार साहू (46) को गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। जिनकी तलाश जारी है।

कैसे हुआ ठगी का भंडाफोड़ ?

दरअसल, पत्थलगांव के रहने वाले जागेश्वर लाल यादव ने 17 अक्टूबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि साल 2023 में एक अज्ञात कंपनी के प्रतिनिधि ने होटल मान्या में बैठक आयोजित कर निवेश का झांसा दिया था। आरोपी संतोष कुमार साहू ने खुद को सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए दावा किया कि कंपनी एक कृषि प्रोडक्ट आधारित प्लांट स्थापित कर रही है, जिसमें निवेश करने पर दैनिक 1% ब्याज मिलेगा।

शुरुआती महीनों में दिया गया ब्याज : शुरुआती महीनों में ब्याज मिलने के कारण ग्रामीणों का विश्वास बढ़ता गया और उन्होंने निवेश कर दिया। लेकिन कुछ समय बाद ब्याज मिलना बंद हो गया। जब

निवेशकों ने पूछताछ की तो उन्हें कंपनी के एमडी मोहम्मद सिराज आलम से मिलवाया गया। जिसने उन्हें नए झांसे में फंसाते हुए कहा कि कंपनी एग्रीकल्चर बेस नहीं बल्कि ट्रेडिंग कंपनी है और सेबी में रजिस्टर्ड है। शुरुआती कुछ महीनों तक इस स्कीम के तहत निवेशकों को उनके ही पैसे से ब्याज दिया गया, जिससे लोगों का विश्वास और बढ़ा। लेकिन जैसे ही नए निवेशक जुड़ना बंद हुए, कंपनी ने ब्याज देना बंद कर दिया और वेबसाइट भी बंद कर दी। इसके बाद कंपनी के सभी पदाधिकारी फरार हो गए।

ठगी का नेटवर्क और तरीका

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और हरिशरण देवांगन, संतोष कुमार साहू को गिरफ्तार किया। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने कोरबा, चांपा, अंबिकापुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में मीटिंग कर ग्रामीणों को निवेश के लिए प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ में धनतेरस पर 2200 करोड़ का कारोबार

1000 करोड़ के सोने-चांदी की खरीदारी,ऑटोमोबाइल-सेक्टर में रिकॉर्ड बिक्री,10 हजार से ज्यादा कारें बिकी

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में इस बार धनतेरस पर खरीदारी का अलग ही जोश देखने को मिला। गुड्स एंड सर्विस टैक्स की दर कम होने का भी असर दिखा। पूरे राज्य में 2200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है। प्रदेश में 10 हजार से ज्यादा कारें और 50,000 बाइक बिके हैं। वहीं दिवाली पर देसी मिठाई खजूर की डिमांड बढ़ी है। प्रदेश में सोने-चांदी का करीब 1000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। सिर्फ रायपुर में 500 करोड़ के आसपास का कारोबार बताया जा रहा है। इसके अलावा राज्य में ऑटोमोबाइल सेक्टर में 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ है। ये आंकड़े अभी और बढ़ सकते हैं। पहली बार धनतेरस सिर्फ एक दिन तक सीमित न रहकर चार दिन तक मनाया जा रहा है। खासकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में रफ्तार देखने को मिली है। गाड़ियों की रिकॉर्ड बिक्री के चलते शो-रूम से लेकर सड़कों तक खरीदारों की भीड़ नजर आ रही है।

वहीं, मिठाई और ड्रायफ्रूट्स के बाजारों में भी लोगों की पसंद में बड़ा बदलाव दिखा है। विदेशी खजूर की जगह इस बार अहमदाबादी खजूर ने ड्रायफ्रूट गिफ्ट्स में अपनी जगह बना ली है। पैकेट्स वाली मिठाइयों की जगह लोकल और मिलेट्स से बनी मिठाइयां लोगों की पहली पसंद बनीं।

सबसे ज्यादा ऑटोमोबाइल,सर्राफा और इलेक्ट्रॉनिक सेगमेंट में बिक्री

राजधानी रायपुर में शनिवार देर रात तक बाजारों में लोगों की भीड़ दिखी। राज्य की सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था छत्तीसगढ़ चैंबर और कैट का दावा है कि इस बार बाजार में धनतेरस पर 2000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है। सबसे ज्यादा ऑटोमोबाइल, सर्राफा और इलेक्ट्रॉनिक सेगमेंट में बिक्री हुई है। जीएसटी की दरें कम होने की वजह से तीनों सेक्टरों में कीमत भी बहुत ज्यादा कम हुई है। लोगों ने इसका जमकर फायदा उठाया है। रायपुर में इस बार 4 हजार से ज्यादा कारें धनतेरस के दिन ही बिक गई। इस खास दिन में डिलिवरी के लिए लोगों ने पहले से ही बुकिंग करा ली थी। शो रूम से लोग देर रात तक गाड़ी ले जाते रहे।

रायपुर में करीब 4 हजार कारें बिकी,दोपहिया में भी आगे

राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी ने बताया कि राज्यभर में 10 हजार से ज्यादा कार और करीब 50 हजार दोपहिया वाहन बेचे गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा रायपुर में 4000 से ज्यादा कारों की बिक्री हुई है। जीएसटी कम होने के सभी गाड़ियों की कीमतों में खासी कमी आई है। इसके अलावा कंपनियों ने भी ऑफर दिए थे। जिसका असर बाजार में हुआ।

चढ़े भाव,लेकिन बाजार में नहीं दिखा असर

धनतेरस के दिन रायपुर के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,32,500 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी 1,69,000 प्रति किलो बिकी। हालांकि, महंगाई की मार ने ग्राहकों का बजट जरूर प्रभावित किया। पहले जहां लोग 2 तोला सोना खरीदते थे,अब एक तोला या आधा तोला तक ही सीमित रहे। लेकिन फिर भी बाजार में भीड़ और खरीदारी का जोश साफ नजर आया।

किन चीजों की सबसे ज्यादा मांग रही?

धनतेरस पर सिर्फ सोना-चांदी के गहने ही नहीं, बल्कि चांदी के सिक्के, अष्टलक्ष्मी लोटा, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, कुबेर यंत्र, छोटे पूजन आइटम और सांकेतिक निवेश वस्तुएं भी खूब बिकीं। व्यापारियों ने बताया कि ग्राहकों ने छोटे आइटम को प्राथमिकता दी ताकि धार्मिक परंपरा भी निभाए और बजट भी न बिगड़े। पूर्व सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष हरख मालू का कहना है कि महंगाई के बावजूद त्योहारों की खरीदारी पर असर नहीं पड़ा। लोगों ने कम मात्रा में ही सही, लेकिन जरूर सोना-चांदी खरीदा।

जिंदल प्लांट के कर्मचारी की हत्या,डैम किनारे मिली लाश

रायगढ़,19 अक्टूबर 2025। किरोड़ीमल नगर क्षेत्र स्थित उच्चभिट्ठी डेम के पास एक लापता युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक जिंदल प्लांट में मजदूरी का काम करता था। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, युवक पिछले तीन दिनों से लापता था और परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतरा रोड थाने में दर्ज कराई थी। रविवार को डेम के पास शव मिलने की सूचना पर कोतरा रोड पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है. परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

पुलिस से बचने भाग रहा बदमाश का पैर टूटा

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। हिस्ट्रीशीटर बदमाश पुलिस को देखकर घर की छत से कूद गया। इस घटना में बदमाश के दोनों पैर टूट गए और वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, हिस्ट्रीशीटर बदमाश विक्की खोचड़ की गुंडागर्दी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में विक्की एक युवक को अपने दोस्तों और पत्नी के साथ जमकर पीटा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी विक्की खोचड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया था। वहीं जब आज सिविल लाइन पुलिस की टीम हिस्ट्रीशीटर बदमाश विक्की खोचड़ को गिरफ्तार करने पहुंची, तो आरोपी पुलिस को देखकर छत से कूद गया। छत से कूदने के कारण विक्की के दोनों पैर टूट गए और वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल विक्की को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पत्नी से अफेयर के शक में पिता की हत्या रायपुर में बेटे ने चाकू से किए कई वार

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। बेटे को शक था कि उसकी पत्नी और पिता का अवैध संबंध है। इसके अलावा पिता के साथ उसका घर के खर्चे को लेकर अक्सर विवाद भी होता था। विवाद के बाद गुस्से में उसने चाकू से पिता के पीठ और पसली में धारदार चाकू से हमला कर दिया। जिससे पिता की मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरा मामला उरला थाना क्षेत्र का है। एएसपी शहर लखन पटले ने बताया कि पुलिस को रविवार रात साढ़े 12 बजे सूचना मिली कि उरला थाना क्षेत्र के मजदूर नगर सरोरा में देव प्रसाद सेन (45) कि उसके बेटे दिनेश कुमार सेन ने चाकू मार कर हत्या कर दी है। मृतक की लाश घर के कमरे में पड़ी हुई थी। चारों तरफ खून के छींटे थे। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला घटना के पहले पिता-पुत्र का जमकर विवाद हुआ था।

जनता को दीपावली के पहले शासन द्वारा दिया गया उपहार

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। भारत सरकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अंतर्गत 10.33 करोड़ से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं घरेलू एलपीजी कनेक्शन देने के उपरांत एक बार फिर दीपावली के पूर्व लोगों को उपहार देते हुए पीएमयूवाय अंतर्गत 25 लाख नवीन उज्जवला गैस कनेक्शन प्रदान करने हेतु प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। छत्तीसगढ़ में 2 लाख 23 हजार नवीन घरेलू एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने हेतु लक्ष्य प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस योजना के तहत् नवीन कनेक्शन दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशानुसार नवीन उज्जवला गैस कनेक्शन के लिए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

हितग्राहियों को 15 दिनों में दिए जाएंगे नवीन कनेक्शन : विभाग द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देश अनुसार सभी जिलो में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला उज्जवला समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति द्वारा जिले में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के क्रियान्वयन एवं प्राप्त आवेदनों की समय-सीमा में निराकरण हेतु नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। योजनांतर्गत पात्र परिवारों से नवीन गैस कनेक्शन हेतु आगामी 07 दिनों में आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। जिले की गैस एजेंसियों द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण एवं सत्यापन कराकर 15 दिनों में नवीन गैस कनेक्शन जारी करने की कार्यवाही की जाएगी।

नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत हितग्राहियों को दी जाएगी प्राथमिकता : नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत आने वाले बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा जिलों में सर्वप्रथम हितग्राहियों को चिन्हांकित कर इन ग्रामों को विशेष प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत चिन्हांकित हितग्राहियों को उज्जवला गैस योजना के कनेक्शन दिए जाएंगे। पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाये जाने हेतु ऑयल कंपनियों के साथ समन्वय करते हुए सुगम नेटवर्क कनेक्टीविटी वाले क्षेत्रों का चयन कर विशेष शिविर आयोजित किये जाएंगे। योजनांतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्ति हेतु शेष सभी 34 हजार 425 परिवारों के आवेदन चिन्हांकित ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कर लिए जाएंगे। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों के ई-केवाईसी के लिये कनेक्टीविटी वाले क्षेत्रों का चयन कर विशेष शिविर द्वारा उन्हें लाभांवित किया जायेगा।

जिला स्तरीय उज्जवला समिति के कलेक्टर होंगे अध्यक्ष

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में से कम से कम 05 प्रतिशत आवेदनों का सत्यापन एवं परीक्षण जिला उज्जवला समिति द्वारा किया जाएगा। इस हेतु जिले के सभी गैस एजेंसियों की बैठक कर प्रधानमंत्री उवला योजना के नवीन गैस कनेक्शन जारी करने हेतु जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तरीय उज्जवला समिति में अध्यक्ष, जिला कलेक्टर या उनके द्वारा अधिकृत कोई वरिष्ठ अधिकारी होंगे तथा समन्वयक सदस्य के रूप में जिला नोडल अधिकारी होंगे जो तेल विपणन कंपनी से होंगे। दो सदस्य अन्य दो तेल विपणन कंपनियों के अधिकारी होंगे।

योजनांतर्गत नवीन कनेक्शन हेतु जारी किए गए मापदंड निर्धारित

पीएमयूवाय के अंतर्गत नवीन गैस कनेक्शन हेतु पात्रता के लिए मापदंड निर्धारित किए गए हैं। जिसके अनुसार यदि परिवार का कोई भी सदस्य 10 हजार रूपए प्रति माह से अधिक कमाता हो, घर का कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम वाले परिवारों को शामिल नहीं किया गया है। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड की 50 हजार रूपए से अधिक की क्रेडिट सीमा वाले किसान, सिंचाई उपकरण के साथ 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि के स्वामी, दो या अधिक फसल मौसमों के लिए 5 एकड़ या अधिक सिंचित भूमि के स्वामी, कम से कम 7.5 एकड़ या इससे अधिक भूमि का स्वामी जिनके पास कम से कम एक सिंचाई उपकरण हो।

बीजेपी विधायक ने कांग्रेस पार्टी को बताया सांप पटाखा

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। सौहार्द के पर्व दिवाली पर भी राजनीतिक पार्टियां बयानबाजी से नहीं चूक रही है। भाजपा और कांग्रेस के बीच अब पटाखे वाली सियासत शुरु हो गई है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने रविवार को कांग्रेस और पीसीस अध्यक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दीपक बैज में परिपक्वता नहीं है। दिवाली का त्योहार है,मां लक्ष्मी और भगवान धनवंतरी की पूजा करें। कांग्रेस संगठन का काम सांप पटाखा जैसा है। वह किसी की तुलना पटाखे से नहीं करें, अगर बम फट गया तो आंख चौंधिया जाएगा। इस बयान पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने पलटवार किया है। कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने पलटवार करते हुए कहा कि पुरंदर मिश्रा को बीजेपी के बमों का अध्ययन करना चाहिए। वो स्वयं फुस्सी बम है.।बीजेपी में बहुत सारे पटाखा बम है। स्वास्थ्य मंत्री पटाखा बम है। सारे अस्पतालों की स्थिति दयनीय है। इसी तरह तेज आवाज करने वाले बड़बोला बम है गृहमंत्री, जो कानून व्यवस्था नहीं संभाल पाते हैं। वहीं मंत्री ओपी चौधरी लक्ष्मी बम है, जहां भी हाथ मारेंगे, वहां से लक्ष्मी आएगी। विधायक पुरंदर मिश्रा ने बिहार चुनाव में कांग्रेस नेताओं को मिली जिम्मेदारी पर कहा कि बिहार का चुनाव महत्वपूर्ण चुनाव है। वहां नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता है। बिहार में 8 वीं फेल नेता चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन नितीश कुमार जैसे नेता इस चुनाव को दिलचस्प बनाएंगे। कांग्रेस के नेता वहां जा कर क्या करेंगे। उनको हारने के लिए अभी से बढ़ाई देता हूं।

अब एक ही ID से पूरी होगी पढ़ाई! नर्सरी से PhD तक चलेगी APAAR ID,इसके बिना नहीं मिलेगा दाखिला

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बच्चों की पढ़ाई में अब बड़ा बदलाव होने जा रहा है। आने वाले शिक्षा सत्र 2026-27 से छात्रों को हर कक्षा में नया पंजीयन करवाने के झंझट से छुटकारा मिलने वाला है। अब नर्सरी में दाखिला लेते ही APAAR ID जारी कर दिया जाएगा, जो पूरी पढ़ाई के दौरान छात्रों की पहचान बनेगा। अब तक अलग-अलग कक्षा और कॉलेज में दाखिले के लिए 2 पंजीयन नंबर जारी किए जाते थे। 9वीं कक्षा में स्कूल का और फिर कॉलेज में दाखिले पर नया पंजीयन नंबर जारी किया जाता था। अलग-अलग शुल्क देना पड़ता था और पंजीयन नंबर याद रखना भी कई छात्रों के लिए सिरदर्द बन जाता था।

नई व्यवस्था से यह परेशानी खत्म हो जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। अब नर्सरी में दाखिला लेते ही बच्चों को ऑटोमेटेड परमानेंट अकादमिक अकाउंट रजिस्ट्रेशन नंबर जारी कर दिया जाएगा। इसी नंबर पर स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक के सभी रिकॉर्ड दर्ज किए

भूमि अधिग्रहण में आपत्ति खारिज करने पर हाईकोर्ट सख्त,रेलवे बोर्ड व राज्य शासन को नोटिस जारी

रायपुर,19 अक्टूबर 2025। रेलवे की ओर से भूमि का अधिग्रहण करने के मामले में पेश आपत्ति को भू-अर्जन अधिकारी ने बिना सुनवाई किए निरस्त कर दिया। इस प्रकरण पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने रेलवे बोर्ड सहित राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महाप्रबंधक द्वारा विद्युत सब स्टेशन निर्माण हेतु ग्राम बेलगहना में भू-अर्जन की कार्यवाही प्रारंभ की गई। रेलवे प्रशासन की मांग पर भू-अर्जन अधिकारी द्वारा कार्यवाही प्रकरण संस्थित कर कार्यवाही प्रारंभ की गई तथा प्रारंभिक अधिसूचना प्रकाशित की गई। अधिसूचना प्रकाशित होने पर भू-स्वामी द्वारा विस्तृत आपत्ति दर्ज की गई। आपत्ति में आधार लिया गया कि अर्जित भूमि कृषि भूमि है तथा भूस्वामी इसी पर आश्रित है। यह भी बताया गया कि, रेलवे विभाग के पास उसी क्षेत्र में भूमि उपलब्ध है। भू-अर्जन अधिकारी द्वारा बगैर समुचित सुनवाई के आपत्ति खारिज की गई। इसके विरुद्ध याचिकाकर्ता प्रदीप अग्रवाल द्वारा अधिवक्ता सुशोभित सिंह के माध्यम से याचिका दायर की गई। याचिका में बताया गया कि, रेलवे अधिनियम की धारा 20 डी के अनुसार भू अर्जन अधिकारी को भू-अर्जन के विरुद्ध आपत्ति पर विचार कर समुचित सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)